छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 196 ■ अम्बिकापुर, बुधवार 29 जुलाई 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

एसीबी का अधिकारी बताकर आबकारी अधिकारी से 6 बोतल विदेशी शराब और 01 लाख नकद मांगा

कहा-निरीक्षण के लिए टीम आ रही है, अभी व्यवस्था नहीं हुई तो कार्रवाई तय, 03 गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। खुद को एंटी करप्शन ब्यूरो का अधिकारी बताकर जिला आबकारी अधिकारी से फोन पर धमकी देकर 6 बोतल शराब और एक लाख रुपये नकद मांगने के मामले में गांधीनगर थाना पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर की सूचना के आधार पर 24 घंटे के भीतर यह कार्रवाई की है, सभी को गिरफ्तार करके न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है।

जानकारी के मुताबिक, सोमवार को सुबह करीब 10 बजे जिला आबकारी अधिकारी लक्ष्मीकांत गायकवाड़ के मोबाइल फोन पर अज्ञात नंबर से कॉल आया। सामने वाले व्यक्ति ने रौबदार आवाज में खुद को एसीबी का अधिकारी बताया और कहा कि, ऊपर से टीम निरीक्षण के लिए आ रही है। रेस्ट हाउस में उनके ठहरने और भोजन की व्यवस्था करनी है। इसके लिए तुरंत 6 बोतल विदेशी शराब और एक लाख रुपये नकद भिजवाएं। आरोपी ने आबकारी अधिकारी को धमकाते हुए कहा कि अगर अभी व्यवस्था नहीं हुई तो कार्रवाई तय है।

जिला आबकारी अधिकारी लक्ष्मीकांत गायकवाड़ को कॉल करने वाले के बात करने के लहजे से संदेह हुआ। उन्होंने तुरंत किसी को शराब या पैसे नहीं दिए और इसकी सूचना थाना गांधीनगर पुलिस को लिखित में दी। मामला डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल के संज्ञान में आया और उन्होंने थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार द्विवेदी को तत्काल टीम के साथ संबंधितों की पतासाजी करने के निर्देश दिए।

पूछताछ में टूटा सौरभ, हुआ साजिश का खुलासा

थाना प्रभारी ने एएसआई अभिषेक दुबे और आरक्षक विकास सिंह, अमृत सिंह, घनश्याम देवांगन के साथ टीम बनाकर पड़ताल शुरू की और कॉल डिटेल के साथ तकनीकी माध्यम से फोन करने वालों का लोकेशन खंगालना शुरू किया। इसके बाद मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने सबसे पहले सौरभ प्रजापति 24 वर्ष निवासी ग्राम ठाकुरपुर अरगोती, पुलिस चौकी कुन्नी को हिरासत में लिया। सख्ती से पूछताछ में सौरभ टूट गया और उसने रची गई पूरी साजिश का पर्दाफास किया।

पुराने विवाद को भंजाने बन गये एसीबी अफसर

सौरभ ने बताया कि वह अपने दो साथियों राजेश गोस्वामी 43 वर्ष और रंजीत गुप्ता 40 वर्ष के साथ मिलकर सुनियोजित तरीके से प्लान बनाया था। तीनों सुभाष नगर स्थित शराब भट्टी पहुंचे थे। यहां पुराने लेन-देन को लेकर विवाद था जिसका भुगतान करने में आनाकानी कर रहे थे। इसके बाद उन्होंने सरकारी अफसर बनकर धौंस जमाने और शराब, पैसे ऐंठने की योजना को मूर्तरूप देने मोबाइल फोन से आबकारी अधिकारी को कॉल करके खुद को एसीबी का अधिकारी बताया, और 6 बोतल शराब और रुपये की मांग की। पुलिस ने सौरभ की निशानदेही पर राजेश और रंजीत गुप्ता को भी अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार कर लिया।

वरिष्ठ अधिकारी को भयभीत करना गंभीर अपराध

गांधीनगर थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार द्विवेदी ने कहा कि आरोपियों ने शासकीय संस्था एसीबी के नाम का दुरुपयोग करके एक वरिष्ठ अधिकारी को डराने का प्रयास किया, जो बेहद ही गंभीर अपराध है। आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 308(2), 318(4), 319(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया गया है और विवेचना जारी है। पुलिस ने आम जनता से अपील की है, कोई भी व्यक्ति यदि इस तरह फोन करके सरकारी अधिकारी बनकर पैसे या सामान की मांग करे तो तुरंत पुलिस को सूचना दें। बिना सोचे-समझे किसी को भी कोई भुगतान न करें।

पुलिस ने इन्हें किया गिरफ्तार-सौरभ प्रजापति पिता तारकेश्वर प्रजापति 24 वर्ष, निवासी ग्राम अरगोती, चौकी कुन्नी, थाना लखनपुर, हाल-मुकाम ग्राम ठाकुरपुर, राजेश पुरी गोस्वामी पिता स्व. बद्रीपुरी गोस्वामी 43 वर्ष, निवासी नरियरा, थाना मुलमुला, जिला जांजगीर-चांपा, हाल मुकाम सूर्या विहार कॉलोनी, सांई कॉलोनी के बगल में, रंजीत गुप्ता, 40 वर्ष, पिता केदार प्रसाद गुप्ता, निवासी बड़नीझरिया। सभी का अंबिकापुर के थाना गांधीनगर अंतर्गत अलग-अलग ठिकाना है।

सूने मकान का ताला तोड़कर 50 हजार नकद, जेवरात, बर्तन ले गए चोर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मजदूरी करके जीवकोपार्जन करने वाली महिला के घर का ताला तोड़कर चोरों ने 50 हजार रुपये नकद सहित करीब 80 हजार का बर्तन और जेवरात चोरी कर लिया। घटना लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बंधा घुटरापारा की है।

जानकारी के मुताबिक, शांति बाई अपने पति सुखनन्दन कुर्रे, पुत्री गीता, पुत्र परदेशी कुर्रे, बहू बॉबी एवं पोता विशाल के साथ लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बंधा में रहती है। 24 जुलाई को उसके पुत्र और पुत्रवधु ग्राम लटोरी गए थे। पति सुखनन्दन काम करने के लिए लखनपुर गया था। पुत्री गीता घटना दिनांक की सुबह बकरी चराने के लिए चली गई थी। सुबह करीब 10 बजे घर के दरवाजे में ताला लगाकर शांति अपने पोता विशाल के साथ खेत तरफ रोपा लगाने चले गई। शाम करीब 5 बजे जब वे वापस आए तो घर के मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ था, दरवाजा खुला था। अंदर जाकर देखने पर घर का पूरा सामान बिखरा हुआ था, पेटी खुला था। पेटी में रखा कांसा का 2 नग थाली, 4 लोटा, 12 नग कांसा का कटोरी, सोने का फुल्ली, चांदी का एक जोड़ी पायल, 10 नग साड़ी, 50 हजार रुपये नकद एवं वोटर आईडी नहीं था। पास-पड़ोस में पूछताछ के बाद भी चोर का पता नहीं चला। रिपोर्ट पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

सड़क की क्षमता 12 टन की, दौड़ रही 50 टन की गाड़ियां, विद्यार्थी खतरे में

डिगमा-सरगवां सड़क डेढ़ दशक से जर्जर, चक्काजाम के बाद डिप्टी सीएम को लिखा पत्र

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बनारस रोड से प्रतापपुर रोड को जोड़ने वाली डिगमा-सरगवां सड़क की बदहाली सुर्खियों में है। 15 साल से जर्जर सड़क को बनवाने की मांग को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता सुजान बिन्द ने उप मुख्यमंत्री और लोक निर्माण मंत्री अरुण साव को पत्र लिखा है। 28 जुलाई को लिखे पत्र में उन्होंने बताया है कि यह सड़क अंबिकापुर शहर के किनारे होने के कारण रिंगरोड, बाईपास की तरह उपयोग की जाती है। 12 टन क्षमता वाली इस सड़क पर 40-50 टन लोड लेकर भारी मालवाहक गाड़ियां रोज गुजरती हैं।

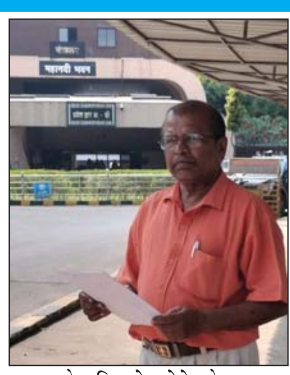

गड्ढों में फंस रहे वाहन, हो चुके कई हादसे

सुजान बिंद ने पत्र में उल्लेख किया है कि, 15 वर्षों से जर्जर इस सड़क में भारी गड्ढे बन गए हैं। मार्ग में एफसीआई गोदाम के साथ स्कूल और कॉलेज भी हैं। आम लोगों, विद्यार्थियों और छोटे बच्चों को रोज इसी रास्ते से आना-जाना पड़ता है। कई बार दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं। सड़क की दुर्दशा को लेकर क्षेत्र की जनता में भारी असंतोष है। इसे लेकर 24 जुलाई को चक्काजाम भी किया गया था। उन्होंने डिप्टी सीएम से बनारस रोड से प्रतापपुर रोड को जोड़ने वाली डिगमा-सरगवां सड़क को यथाशीघ्र बनवाने का आग्रह किया है।

ऑनलाइन उपस्थिति के आधार पर वेतन आदेश का शिक्षकों ने किया विरोध

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के शासकीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों का जुलाई माह का वेतन ऑनलाइन उपस्थिति के आधार पर आहरित करने के लोक शिक्षण संचालनालय के आदेश का विरोध शुरू हो गया है। छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक समग्र शिक्षक फेडरेशन सरगुजा ने आदेश को अव्यवहारिक बताते हुए इसे तत्काल संशोधित करने की मांग की है।

फेडरेशन के जिलाध्यक्ष संदीप कुमार पाण्डेय ने कहा कि, प्रदेश के कई विद्यालय दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित हैं, जहां मोबाइल नेटवर्क की समस्या बनी रहती है। इसके अलावा ऑनलाइन उपस्थिति के लिए उपयोग किए जा रहे वीएसके ऐप में भी कई तकनीकी खामियां हैं। कई बार शिक्षक विद्यालय में उपस्थित रहते हैं, लेकिन ऐप गलत लोकेशन दिखाता है, विद्यालय से दूरी अधिक बताता है या सर्वर ठीक से काम नहीं करता है। ऐसे में शिक्षक चाहकर भी अपनी ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज नहीं करा पाते। उन्होंने बताया कि तकनीकी समस्याओं की जानकारी पहले भी विभागीय अधिकारियों को दी जा चुकी है, इसके बावजूद यदि केवल ऑनलाइन उपस्थिति के आधार पर वेतन जारी किया जाता है तो कई शिक्षकों का वेतन प्रभावित हो सकता है, जबकि उनकी अनुपस्थिति नहीं बल्कि तकनीकी खामी इसकी वजह होगी। संदीप पाण्डेय ने कहा कि तकनीकी समस्याओं का समाधान किए बिना वेतन काटना या रोकना शिक्षकों के साथ अन्याय होगा। इससे शिक्षकों का मनोबल भी प्रभावित होगा। उन्होंने मांग की कि जब तक वीएसके ऐप पूरी तरह सुचारू और त्रुटिरहित नहीं हो जाता, तब तक शिक्षकों का वेतन विद्यालय की उपस्थिति पंजी और प्रधान पाठक अथवा प्राचार्य द्वारा प्रमाणित वेतन देयक के आधार पर ही आहरित किया जाए। फेडरेशन ने यह भी मांग की है कि केवल तकनीकी कारणों से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज नहीं होने की स्थिति में किसी भी शिक्षक का वेतन न काटा जाए और न ही उसे रोका जाए। शिक्षकों का कहना है कि पहले विभाग डिजिटल व्यवस्था को पूरी तरह विश्वसनीय बनाए, उसके बाद ही इसे वेतन से जोड़ा जाए।

संभाग स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में होली क्रॉस सर्वश्रेष्ठ, सैनिक स्कूल उपविजेता

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। संभाग स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर होली क्रॉस कॉन्वेंट स्कूल, अंबिकापुर को 'बेस्ट स्कूल इन चेस (विजेता)' तथा सैनिक स्कूल अंबिकापुर को 'बेस्ट स्कूल इन चेस (रनर-अप)' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। शतरंज संघ के पदाधिकारियों ने दोनों विद्यालयों को स्मृति-चिह्न प्रदान करके सम्मानित किया। सैनिक स्कूल में यह सम्मान उप-प्रधानाचार्य लेफ्टिनेंट कर्नल पी. श्रीनिवास ने प्राप्त किया, जबकि होली क्रॉस कॉन्वेंट की ओर से प्राचार्या जेस्सी टेक्केन ने पुरस्कार ग्रहण किया। इस अवसर पर सैनिक स्कूल की ओर से प्रकाश तिवारी, प्रदीप डांगरे एवं महेश सिन्हा भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट कर्नल पी. श्रीनिवास ने शतरंज के प्रति विशेष रुचि व्यक्त करते हुए विद्यालयों में इस खेल को बढ़ावा देने के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

शतरंज संघ सरगुजा ने बताया जल्द ही छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के प्रदेश महासचिव वीके राठी तथा सीआईएस हेड अब्दुल शमीम के मार्गदर्शन में होली क्रॉस कॉन्वेंट, सैनिक स्कूल, ओपीएस, कार्मेल और मॉन्टफोर्ट स्कूल के बीच उच्च स्तरीय अंतर-विद्यालय शतरंज प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसका उद्देश्य प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धात्मक मंच उपलब्ध कराना और विद्यालयों में शतरंज को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय निर्णायक अनिश अंसारी, राष्ट्रीय निर्णायक प्रदीप मंडल, शतरंज संघ के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह राणा, उपाध्यक्ष एसएसपी वर्मा, संभाग संयोजक बी. मणियन सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। आयोजकों ने कहा कि विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता के विकास के साथ उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने में ऐसे आयोजन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

एमसीबी जिले में आकाशीय बिजली का कहर: 3 की मौत, 5 झुलसे

छ.ग.फ्रंटलाइन एमसीबी। जिले के खड़गवां विकासखंड में मंगलवार को लगातार हो रही बारिश के बीच आकाशीय बिजली गिरने से अलग-अलग स्थानों पर तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 5 अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खड़गवां के बीएमओ डॉ. मनीष ने बताया कि खड़गवां ब्लॉक के ग्राम शिवपुर में आकाशीय बिजली गिरने से दो लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, वहीं ग्राम पंचायत मंगोरा में भी आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक व्यक्ति की जान चली गई। इस हादसे में कुल 8 लोग आकाशीय बिजली की चपेट में आए, जिनमें 3 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 5 लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खड़गवां लाया गया, जहां उनका इलाज जारी है. डॉक्टरों ने बताया कि सभी घायल अब खतरे से बाहर है।

खड़गवां पुलिस ने कराया पोस्टमार्टम

घटना की सूचना मिलते ही खड़गवां थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई पूरी की, इसके बाद शवों का पोस्टमार्टम कराया गया और आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। घटना से मृतकों के स्वजन का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव और आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। लगातार हो रही बारिश और खराब मौसम के दौरान लोगों से सुरक्षित स्थानों पर रहने और बिजली कड़कने के समय खुले मैदान, पेड़ों और ऊंचे स्थानों से दूर रहने की अपील की गई है।

पुलिस ने कब्र खोदकर शरीर का अवशेष स्वजन के सुपुर्द किया

हत्या करके लटकाने का जताया संदेह, महामाया पहाड़ में मिला था सड़ा-गला शव

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। महामाया पहाड़ में 25 जुलाई को मिले अज्ञात युवक के सड़े-गले शव की पहचान मायापुर निवासी शुभम कश्यप पिता स्व. मुन्ना कश्यप 37 वर्ष, होने के बाद स्वजनों ने उसकी हत्या कर शव को फांसी पर लटकाने की आशंका जताई है, और मामले की निष्पक्ष जांच करने की मांग की है। इसी क्रम में मंगलवार को स्वजन की मांग पर मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में पुलिस ने दफन किए गए शव को बाहर निकलवाया है, और वैधानिक प्रक्रिया के तहत अग्रिम कार्रवाई की है।

बता दें कि, कोतवाली पुलिस को 25 जुलाई की दोपहर वन विभाग के मैदानी कर्मचारियों ने महामाया पहाड़ पर एक पेड़ में फंदे के सहारे लटके कंकाल और गलकर नीचे गिरे धड़ के हिस्से की सूचना मिली थी। इसके बाद कोतवाली पुलिस और फॉरेंसिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। इस दौरान सामने आया कि बारिश के कारण शव का आधा हिस्सा गलकर नीचे गिर गया है। मौके से चप्पल, कपड़े और कुछ दवाइयां भी बरामद की गई थीं। शव का शिनाख्त नहीं होने पर पुलिस ने शव को वहीं दफना दिया था। इधर कोतवाली के पीछे मायापुर निवासी शुभम कश्यप 11 जुलाई से लापता था, जिसके गुमशुदगी की रिपोर्ट 13 जुलाई को स्वजन दर्ज कराए थे। मामला सुर्खियों में आने पर स्वजन कोतवाली पहुंचे और कपड़े, कंधे पर बने टैटू के आधार पर उन्होंने शव की पहचान शुभम के रूप में की। इन्होंने आशंका जताई है कि शुभम की हत्या करके उसके गले में तार लपेटा गया है, और फांसी के फंदे पर लटकाया गया है। इनके आवेदन पर कोतवाली पुलिस ने कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में वीडियोग्राफी कराकर महामाया पहाड़ में दफन किए गए शव को कब्र खोदकर बाहर निकलवाया और शारीरिक अवशेषों को स्वजन को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया है।

> महामाया पहाड़ में मिले अज्ञात शव को बाहर निकलवाकर जांच प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मामले में हर पहलू को खंगाला जा रहा है।
>
> **अमोलक सिंह ढिल्लो, एएसपी सरगुजा**

रेल्वे स्टेशन प्रांगण में ट्राली बैग में मिला 33.660 लीटर शराब

अधिकारी के बुलाने पर बैग छोड़कर भागे संदिग्ध की तलाश में पुलिस

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। रेल्वे स्टेशन अंबिकापुर के प्रांगण में लावारिस हाल में जब्त एक ट्राली बैग में 33 लीटर 660 मिलीलीटर विदेशी मदिरा शराब मिला। बैग लेकर मौजूद संदेही रेल्वे पुलिस के द्वारा आवाज लगाने पर मौका देखकर भाग गया। आरपीएफ पोस्ट रेल्वे स्टेशन ने ट्राली बैग को जब्त करके गांधीनगर थाना में इसकी रिपोर्ट दर्ज कराई है, जिस पर पुलिस ने आबकारी अधिनियम की धारा के तहत केस दर्ज कर लिया है, और अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर रही है। कार्यालय निरीक्षक रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट की ओर से गांधीनगर पुलिस को दिए गए प्रतिवेदन में बताया है कि, बीते 26 जुलाई को करीब 8.55 बजे रेल्वे स्टेशन परिक्षेत्र अंबिकापुर में चेकिंग के दौरान पार्किंग स्टॉफ के द्वारा संदेह होने पर सहायक उपनिरीक्षक जी. खुटिया को आकर बताया कि एक व्यक्ति के पास चाकलेटी रंग का ट्राली बैग है जो काफी वजनी लग रहा है। सहायक उपनिरीक्षक ने उक्त व्यक्ति को आवाज लगाकर पोस्ट में आने के लिए कहा और वह मौका देखकर वहां से फरार हो गया। संदेह के आधार पर ट्राली बैग को आरपीएफ पोस्ट में लगाकर गवाहों के समक्ष, सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए खोला गया। चेक करने पर उसमें दो अलग-अलग ब्रांड का 187 नग शराब की शीशी निकला, जिसकी कुल कीमत 25 हजार 457 रुपये आंकी गई है। लावारिश शराब को अग्रिम कार्रवाई के लिए गांधीनगर थाना पुलिस के सुपुर्द किया गया है।

पुलिस जांच में जुटी-गांधीनगर थाना पुलिस रेलवे स्टेशन परिसर और आसपास लगे सीसीटीव्ही कैमरों का फुटेज खंगाल रही है, ताकि बैग छोड़कर फरार हुए आरोपी की पहचान हो सके। प्रारंभिक जांच में शराब की खेप अवैध परिवहन के उद्देश्य से लाने की संभावना को बल मिल रहा है।

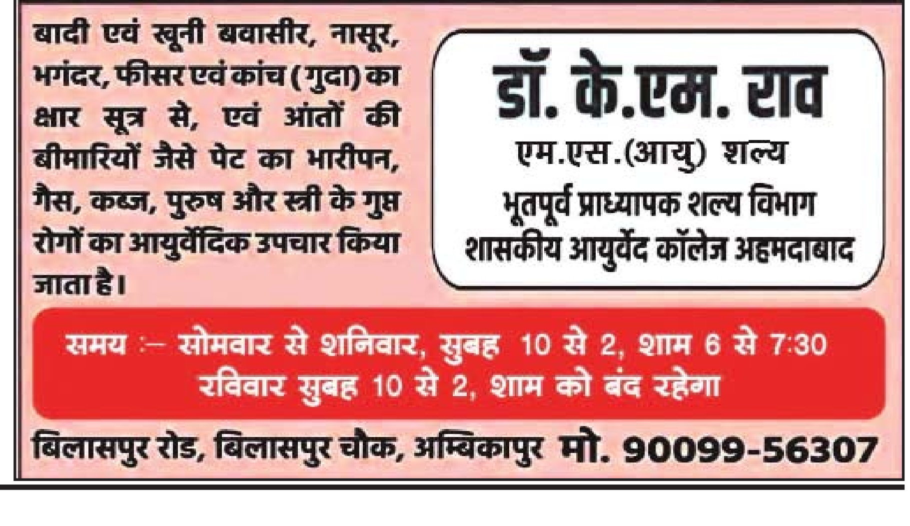

जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनी आमजन की समस्याएं, त्वरित समाधान के दिए निर्देश

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। साप्ताहिक जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याओं और मांगों से संबंधित आवेदन को कलेक्टर के समक्ष रखा।

कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने प्रत्येक आवेदक से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवेदनों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशानुरूप प्रत्येक नागरिक को त्वरित एवं प्रभावी समाधान उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसलिए प्राप्त सभी आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण करें। जनदर्शन में राजस्व, शिक्षा, स्वास्थ्य, निर्माण कार्य, भूमि विवाद तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए।

लाखों के उर्वरक घोटाले की जांच में सहकारिता निरीक्षकों ने संभाला मोर्चा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। खरीफ सीजन में किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध नहीं कराए जाने और खाद की कथित कालाबाजारी की शिकायतों के बाद आदिम जाति सेवा सहकारी समिति जयनगर में सामने आई अनियमितताओं की जांच तेज हो गई है। कलेक्टर के निर्देश पर मंगलवार को सहकारिता विभाग के तीन निरीक्षकों की टीम समिति पहुंची और स्टॉक के साथ-साथ सभी अभिलेखों की गहन जांच शुरू कर दी।

इससे पहले उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं द्वारा कराई गई प्रारंभिक जांच में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं सामने आने के बाद समिति प्रबंधक श्यामलाल प्रजापति को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। उनके स्थान पर समिति के लिपिक लालसाय को प्रबंधक का प्रभार सौंपा गया है। वहीं समिति के अध्यक्ष एवं प्राधिकृत अधिकारी देवधन राम बिझिया को भी पद से हटाकर अंकेक्षण अधिकारी जॉन केरकेट्टा को नया प्राधिकृत अधिकारी नियुक्त किया गया है। कलेक्टर ने पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम को विस्तृत जांच कराने तथा दोषियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने

के निर्देश दिए हैं। मंगलवार को सहकारिता निरीक्षक जॉन केरकेट्टा, नवीन सिंह और महेंद्र राजवाड़े की टीम समिति पहुंची और गोदाम में उपलब्ध उर्वरक, स्टॉक रजिस्टर, वितरण रिकॉर्ड तथा अन्य दस्तावेजों का मिलान शुरू किया।

सूत्रों के अनुसार, प्रारंभिक जांच के दौरान समिति के गोदाम में करीब तीन ट्रक (लगभग 1,800 बोरी) यूरिया रखा मिला। जब समिति प्रबंधक से किसानों को खाद वितरण नहीं किए जाने का कारण पूछा गया तो उन्होंने बताया कि उक्त यूरिया का आरओ/डीडी प्राप्त नहीं हुआ है। हालांकि फेडरेशन के बिश्रामपुर गोदाम से मिली जानकारी में बताया गया कि बिना आवश्यक दस्तावेजों के उर्वरक का परिवहन नहीं किया जाता, जिससे पूरे मामले में संदेह और गहरा गया है।

जांच में यह भी संकेत मिले हैं कि केवल चालू खरीफ सीजन ही नहीं, बल्कि पिछले रबी सीजन में भी उर्वरक वितरण में गंभीर अनियमितताएं हुईं। इसके अलावा किसानों को उर्वरक वितरण के लिए उपयोग होने वाली पीओएस मशीन के रिकॉर्ड में भी गड़बड़ियां मिलने की बात सामने आई है।

प्रभारी उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं अनिल कुमार बज से मामले की जानकारी लेने का प्रयास किया गया, लेकिन उनके रायपुर प्रवास पर होने के कारण संपर्क नहीं हो सका। वहीं विभागीय सूत्रों का दावा है कि खरीफ और रबी दोनों सीजन को मिलाकर ?50 लाख से अधिक के उर्वरक की कथित अफरा-तफरी का मामला हो सकता है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

फिलहाल जांच जारी है। दस्तावेजों और स्टॉक के सत्यापन के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि अनियमितता की वास्तविक राशि कितनी है, किस स्तर पर गड़बड़ी हुई और इसके लिए कौन-कौन जिम्मेदार हैं।

जमीन बेचने का सौदा कर 1.41 लाख लेने के बाद दूसरे को बेच दी भूमि, जुर्म दर्ज

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। जमीन बेचने के नाम पर लाखों रुपए की कथित ठगी का मामला सामने आया है। जयनगर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कोरेया की भूमि के सौदे में अग्रिम राशि लेने के बावजूद जमीन किसी अन्य व्यक्ति के नाम रजिस्ट्री कर देने का आरोप लगाते हुए बलरामपुर निवासी एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी। मामले की जांच के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी के तहत जुर्म दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। जयनगर थाना में दर्ज शिकायत में प्रार्थिया 35 वर्षीय मीना राजवाड़े पति नारायण राम निवासी ग्राम पंचायत बलरामपुर बिश्रामपुर ने बताया कि एसईसीएल द्वारा उनकी जमीन अधिग्रहित किए जाने के बाद परिवार अपने पिता के लिए नया मकान बनाने हेतु दूसरी जमीन की तलाश कर रहा था। इसी दौरान उनके मामा हृदय राजवाड़े ने ग्राम कोरेया में सड़क किनारे स्थित 22 डिसमिल भूमि की जानकारी दी। बताया गया कि यह भूमि गंगोत्री पत्नी सोनसाय के नाम पर दर्ज है और मकान निर्माण के लिए उपयुक्त है। शिकायत के अनुसार 29 दिसंबर 2021 को मीना राजवाड़े उनके पिता राजनाथ, मामा हृदय राजवाड़े, पति नारायण राम तथा अन्य परिजन सोनसाय के घर पहुंचे। बातचीत के दौरान सोनसाय ने स्वयं को भूमि का प्रबंधनकर्ता बताते हुए 22 डिसमिल भूमि, खसरा नंबर 1299/2 की कीमत 16 लाख रुपए तय की। सौदा पक्का होने पर मीना राजवाड़े ने 1 हजार रुपए बयाना दिया। इसके बाद आरोपी ने कथित रूप से अपनी पत्नी के इलाज

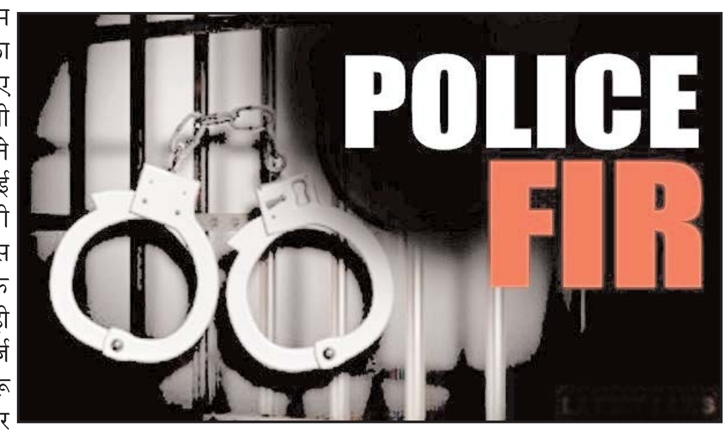

का हवाला देकर तत्काल पैसों की आवश्यकता बताई और रजिस्ट्री के समय राशि समायोजित करने का भरोसा दिया। शिकायत के मुताबिक 7 मार्च 2022 को 1 लाख रुपए, इसके अलावा 20-20 हजार रुपए की दो और किश्तें दी गईं। इस तरह कुल 1 लाख 41 हजार रुपए आरोपी को दिए गए। महिला का कहना है कि आरोपी ने साधारण कागज पर राशि प्राप्त करने की लिखित पावती भी दी थी। मामले में नया मोड़ तब आया जब खरीदार पक्ष भूमि की चौहद्दी और दस्तावेजों की जांच कराने पटवारी के पास पहुंचा। वहां जानकारी मिली कि संबंधित भूमि पर आरोपी के सास-ससुर की दो कब्रें बनी हुई हैं। शिकायतकर्ता का आरोप है कि सौदा करते समय इस तथ्य को जानबूझकर छिपाया गया था। इसके बाद उन्होंने जमीन खरीदने से इनकार कर दिया और अपनी अग्रिम राशि वापस मांगी।

शिकायत के अनुसार बाद में गांव के लोगों की मौजूदगी में हुई बैठक में सोनसाय ने आश्वासन दिया कि यदि वे जमीन नहीं खरीदेंगे तो वह भूमि किसी अन्य व्यक्ति को बेचकर पूरी राशि लौटा देगा। लेकिन आरोप है कि 10 जुलाई 2023 को उसी भूमि की रजिस्ट्री अन्य खरीदारों के नाम कर दी गई, फिर भी मीना राजवाड़े को उनके 1.41 लाख रुपए वापस नहीं किए गए। महिला का कहना है कि पिछले तीन वर्षों से वह लगातार अपनी राशि वापस मांग रही थीं, लेकिन आरोपी हर बार आज-कल का बहाना बनाकर टालता रहा। अंतत: न्याय नहीं मिलने पर उन्होंने जयनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने पर आरोपी सोनसाय के विरुद्ध धारा 420 आईपीसी के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की विवेचना की जा रही है तथा जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

स्वच्छ भारत मिशन की राज्य सलाहकार ने शुक्लाखार ग्राम पंचायत का किया निरीक्षण

कोरबा छ.ग. फ्रंटलाइन। राज्य स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), रायपुर की राज्य सलाहकार एवं बिलासपुर संभाग प्रभारी श्रीमती मोनिका सिंह ने जनपद पंचायत कटघोरा अंतर्गत ग्राम पंचायत शुक्लाखार, जिला कोरबा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत में संचालित ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन (एसएलडब्ल्यूएम) कार्यों तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन का अवलोकन किया।

इस अवसर पर स्वच्छग्राहियों एवं ग्रामीणों को कचरे का चार प्रकार से पृथक्करण- सूखा कचरा, गीला कचरा, सैनिटरी कचरा तथा विशेष देखभाल/ई-कचरा (इलेक्ट्रॉनिक कचरा)करने की जानकारी दी गई। साथ ही स्वच्छ एवं कचरा मुक्त ग्राम के निर्माण के लिए विस्तृत चर्चा की गई।

घर-घर कचरा संग्रहण कार्य में संलग्न स्वच्छग्राही समूह के सदस्यों को नियमित डोर-टू-डोर कलेक्शन, स्रोत पर कचरा पृथक्करण तथा स्वच्छता शुल्क के महत्व के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया। ग्राम के सरपंच एवं सचिव को ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने, निर्धारित स्थान पर ही कचरे का निस्तारण सुनिश्चित कराने, नियमों का उल्लंघन करने वालों को पहले समझाइश देने तथा आवश्यकता पड़ने पर नियमानुसार जुर्माना लगाने के निर्देश दिए गए। साथ ही ग्रामीणों को चार प्रकार से कचरा अलग-अलग रखने, नियमित रूप से स्वच्छता शुल्क का भुगतान करने तथा ग्राम में निर्मित सामुदायिक शौचालय का नियमित उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। निरीक्षण के दौरान जनपद सदस्य, कटघोरा विधायक प्रतिनिधि, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कटघोरा, जिला समन्वयक, जिला सलाहकार, ब्लॉक समन्वयक, बीपीएम (एनआरएलएम), प्रधानमंत्री आवास योजना के तकनीकी सहायक, जनपद पंचायत की टीम, सरपंच, पंचगण, सचिव, रोजगार सहायक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, बिहान समूह की महिलाएँ, स्वच्छग्राही तथा ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

15 अगस्त से लाइफ लाइन एक्सप्रेस का स्वास्थ्य शिविर, प्लेटफॉर्म 2 आवंटन से बढ़ीं व्यवस्थागत चुनौतियां

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। इंपैक्ट इंडिया फाउंडेशन द्वारा संचालित अत्याधुनिक अस्पताल ट्रेन लाइफ लाइन एक्सप्रेस एक बार फिर बिश्रामपुर रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। छह कोच वाली यह हॉस्पिटल ट्रेन 14 अगस्त को स्टेशन पहुंचेगी, जबकि 15 अगस्त से 14 सितंबर तक एक माह का विशेष चिकित्सा शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में सरगुजा संभाग सहित आसपास के क्षेत्रों के हजारों मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं का लाभ मिलेगा।

हालांकि इस बार रेलवे प्रशासन द्वारा लाइफ लाइन एक्सप्रेस को प्लेटफॉर्म नंबर-2 पर खड़ा करने की अनुमति दिए जाने से मरीजों, उनके परिजनों और आयोजन समिति की चिंताएं बढ़ गई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाल ही में पुराने गुड्स प्लेटफॉर्म के पक्कीकरण कार्य के दौरान स्टेशन के दूसरी ओर अस्थायी प्लेटफॉर्म विकसित किया गया है, जहां बारिश के कारण कीचड़ और दलदल की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में मरीजों को स्टेशन से शिविर स्थल तक पहुंचने के लिए रेल लाइन पार कर दूसरी ओर जाना पड़ेगा, जो ट्रेनों की आवाजाही के बीच जोखिम भरा साबित हो सकता है।

इसके अलावा प्लेटफॉर्म-2 के आसपास मरीजों और उनके परिजनों के ठहरने, कैंप लगाने तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने में भी कठिनाइयों की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन और रेलवे से मांग की है कि पूर्व वर्षों की तरह इस बार भी लाइफ लाइन एक्सप्रेस को एक नंबर गुड्स प्लेटफॉर्म पर खड़ा कराया जाए, ताकि मरीजों को अनावश्यक परेशानी और जोखिम का सामना न करना पड़े।

रेलवे मंडल कार्यालय (डीआरएम) की ओर से जारी आदेश के अनुसार प्लेटफॉर्म-2 पर ट्रेन के एक माह तक ठहराव की अनुमति दी गई है। शिविर के सफल संचालन के लिए रेलवे प्रशासन ने बिजली, पेयजल, बैटरी चार्जिंग, रैक सुरक्षा, साफ-सफाई, भीड़ प्रबंधन तथा अन्य व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों को सौंपी है। ये अधिकारी जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर शिविर के संचालन में सहयोग करेंगे।

मिलेंगी विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं

एक माह तक चलने वाले इस शिविर में आंखों की सर्जरी, कान-नाक-गला (ईएनटी) संबंधी ऑपरेशन, बच्चों की जन्मजात विकृतियों की सर्जरी, प्लास्टिक सर्जरी, दंत चिकित्सा, स्तन एवं सर्वाइकल कैंसर की जांच तथा जागरूकता जैसी विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

उल्लेखनीय है कि लाइफ लाइन एक्सप्रेस एक चलती-फिरती अत्याधुनिक अस्पताल ट्रेन है, जिसमें आधुनिक ऑपरेशन थिएटर और आवश्यक चिकित्सीय उपकरण मौजूद हैं। बिश्रामपुर में इससे पहले भी करीब आधा दर्जन बार इस ट्रेन के माध्यम से स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा चुके हैं, जिनका लाभ हजारों मरीजों ने उठाया है। इस बार भी ट्रेन के आगमन से सरगुजा संभाग के जरूरतमंद मरीजों को बेहतर और विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाएं मिलने की उम्मीद है।

पीड़ित राहत पुनर्वास निति के तहत प्राथमिकता से पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं से करें लाभान्वित : कलेक्टर

★ माय भारत पोर्टल से जुड़ेंगे युवा, कलेक्टर ने अधिक से अधिक पंजीयन सुनिश्चित करने के दिए निर्देश ★ आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम अंतर्गत प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों में लाएं बेहतर परिणाम ★ समय-सीमा की बैठक संपन्न

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने समय-सीमा की साप्ताहिक बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा कर निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने माय भारत पोर्टल, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, सेवा सेतु, एग्रीस्टैक पंजीयन, आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम, कोषालयीन पेंशन प्रकरणों सहित पीजी पोर्टल, जन शिकायत, जनदर्शन एवं उच्च न्यायालय में लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा कर त्वरित निराकरण तथा योजनाओं के क्रियान्वयन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रगति लाने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के मेरा युवा भारत पोर्टल की प्रगति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को अधिक से अधिक युवाओं का पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि माय भारत पोर्टल युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने और विभिन्न अवसर उपलब्ध कराने वाला भारत सरकार का प्रमुख डिजिटल मंच है। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ अभियान चलाकर 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को पोर्टल से जोड़ें, ताकि उन्हें सशक्त बनाने, सामुदायिक विकास से जोड़ने, स्वरोजगार, स्वयंसेवा, कौशल विकास, अनुभवात्मक शिक्षा एवं विभिन्न शासकीय कार्यक्रमों में सहभागिता के अवसर मिल सकें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अधिक से अधिक पात्र युवाओं का पोर्टल पर पंजीयन सुनिश्चित कराएं, ताकि वे भविष्य में उपलब्ध होने वाले विभिन्न अवसरों का लाभ प्राप्त कर सकें। साथ ही पंजीयन की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त आवेदनों के निराकरण की समीक्षा करते हुए सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी लंबित प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि निराकरण के उपरांत आवेदकों से फीडबैक अवश्य लें, ताकि शिकायतों का वास्तविक एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित हो सके। कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने सेवा सेतु में प्राप्त आवेदनों की समीक्षा भी की। उन्होंने कहा कि हितग्राहियों को समय पर सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराएं।

कलेक्टर ने नक्सलवादी आत्मसमर्पण/पीड़ित राहत पुनर्वास नीति-2025 के तहत कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि जिले में नक्सल प्रभावित 92 प्रकरण चिन्हित किए गए हैं, जिनमें पात्र हितग्राहियों को नियमानुसार शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान करना सुनिश्चित करें। उन्होने शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से प्राथमिकता के आधार पर लाभान्वित करने को कहा, ताकि वे समाज की मुख्यधारा से जुड़कर बेहतर जीवनयापन कर सकें। उन्होंने आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को

निर्धारित प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों में उत्कृष्ट प्रदर्शन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आपसी समन्वय के साथ योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करें तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, सहित जुड़े सभी निर्धारित मानकों में बेहतर उपलब्धि के लिए सतत प्रयास करें, ताकि ब्लॉक का प्रदर्शन निरंतर बेहतर हो सके।

कलेक्टर ने जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्ययोजना बनाकर 772 योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं, विद्युत आपूर्ति समस्या, खराब सोलर सिस्टम का शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए।

उन्होंने एग्रीस्टैक पंजीयन एवं बकेट क्लेम की प्रगति की जानकारी लेते हुए शत-प्रतिशत किसानों का पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सहकारी समितियों के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार करवाएं, ताकि कोई भी पात्र किसान एग्रीस्टैक पंजीयन से वंचित न रहे।

कलेक्टर ने कोषालयीन अंतर्गत लंबित पेंशन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों के आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि पेंशन प्रकरणों में दस्तावेजों की कमी एवं अन्य विसंगतियों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करें। ताकि पात्र पेंशन हितग्राहियों को समय पर पेंशन का लाभ मिल सके।

बैठक में कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने पीजी पोर्टल, जन शिकायत, जनदर्शन, मुख्यमंत्री जनदर्शन एवं उच्च न्यायालय में लंबित प्रकरणों की एक-एक कर विस्तारपूर्वक समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी प्रकरणों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने विशेष रूप से उच्च न्यायालय में लंबित प्रकरणों के पालन प्रतिवेदन, जवाबदावा शत-प्रतिशत समय-सीमा के भीतर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों की जानकारी लेते हुए सभी अधिकारियों से सौंपी गई जिम्मेदारियों को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री आर.एस. लाल, श्री चेतन बोरघरिया, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ में सड़क सुरक्षा के लिए आईआईटी मद्रास के साथ ऐतिहासिक एमओयू

रायपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ शासन के परिवहन विभाग एवं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास के सड़क सुरक्षा उत्कृष्टता केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में आज रायपुर में डेटा-आधारित हाइपरलोकल इंटरवेंशन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वन, परिवहन, आवास एवं पर्यावरण तथा सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप थे।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन एवं आईआईटी मद्रास ष्टश्चश्चक्र के बीच कार्यक्रम के क्रियान्वयन हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस साझेदारी का उद्देश्य राज्य में सड़क दुर्घटनाओं में वैज्ञानिक एवं डेटा-आधारित दृष्टिकोण से कमी लाना है। कार्यशाला में अधिकारियों को बताया गया कि सड़क दुर्घटना डेटा का विश्लेषण कर ब्लैक स्पॉट एवं दुर्घटना संभावित स्थलों की पहचान की जाएगी हाइपरलोकल सड़क सुरक्षा उपाय और कम लागत वाले अभियांत्रिकी हस्तक्षेप किए जाएंगे। 'संजय' प्लेटफॉर्म के माध्यम से ब्लैक स्पॉट की समय पर पहचान कर साक्ष्य-आधारित निर्णय लिए जाएंगे।

प्रथम चरण में राज्य के सड़क दुर्घटना की दृष्टि से सर्वाधिक संवेदनशील 10 जिलों को चिन्हित किया गया है। इन जिलों में जिला प्रशासन, पुलिस, परिवहन, लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को चरणबद्ध प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद प्रत्येक जिले के लिए स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप डेटा-आधारित सड़क सुरक्षा कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

परिवहन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि प्रत्येक सड़क दुर्घटना किसी परिवार के लिए अपूरणीय क्षति होती है। राज्य सरकार का उद्देश्य केवल दुर्घटनाओं की संख्या कम करना नहीं, बल्कि ऐसी सुरक्षित सड़क व्यवस्था विकसित करना है, जिससे प्रत्येक नागरिक सुरक्षित अपने घर पहुँच सके। यह पहल सुरक्षित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

परिवहन विभाग के सचिव श्री एस. प्रकाश ने कहा कि संजय प्लेटफॉर्म से दुर्घटना संभावित स्थलों की वैज्ञानिक पहचान कर समयबद्ध हस्तक्षेप संभव होगा। उन्होंने सभी विभागों से समन्वित प्रयास कर दुर्घटनामुक्त छत्तीसगढ़ बनाने का आह्वान किया।

कार्यशाला में चयनित 10 जिलों के कलेक्टर, एसपी, आरटीओ, डीटीओ, एनआईसीसी के जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक तथा जिला सड़क सुरक्षा समिति के नोडल अधिकारियों ने भाग लिया परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि डेटा-आधारित योजना एवं त्वरित हस्तक्षेप से सड़क दुर्घटनाओं और मृत्यु दर में प्रभावी कमी आएगी।

जिले की बिगड़ती कानून व्यवस्था पर चिंतित कांग्रेस ने एसपी को सौंपा ज्ञापन

अपराधों पर अंकुश एवं अपराधियों पर कार्रवाई की मांग

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिला में लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं, बिगड़ती कानून-व्यवस्था और नशे के बढ़ते अवैध कारोबार पर चिंता व्यक्त करते हुए कांग्रेस ने पुलिस अधीक्षक को विस्तृत ज्ञापन सौंपा है। सौपे गए ज्ञापन में कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने जिले में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण, आम नागरिकों की सुरक्षा तथा कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए तत्काल कठोर एवं व्यापक कार्यवाही की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया कि पिछले कुछ समय से जिले में चोरी, लूट, मारपीट, चाकूबाजी, महिलाओं के विरुद्ध अपराध, नशे के अवैध कारोबार सहित विभिन्न आपराधिक घटनाओं में लगातार वृद्धि देखने को मिल रही है इन घटनाओं के कारण आम नागरिकों में भय एवं असुरक्षा का वातावरण बन गया है और लोग सुरक्षित महसूस नहीं कर पा रहे हैं। कांग्रेस ने हाल ही में शहर के नेहरू पार्क क्षेत्र में हुई गंभीर आपराधिक घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि इस घटना ने पूरे जिले को झकझोर दिया है सार्वजनिक स्थान पर हुई इस वरदात से यह स्पष्ट होता है कि अपराधियों के मन से कानून का भय कम होता जा रहा है यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में अपराध की स्थिति और अधिक गंभीर हो सकती है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि जिले के नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार चोरी की घटनाएं सामने आ रही हैं वहीं युवाओं के बीच नशीले पदार्थों की उपलब्धता और उनके अवैध कारोबार में बढ़ोतरी समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है। कांग्रेस ने कहा कि नशे का फैलता जाल युवाओं के भविष्य को बर्बाद करने के साथ सामाजिक व्यवस्था को भी प्रभावित कर रहा है। इस अवैध कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई अत्यंत आवश्यक है। कांग्रेस ने पुलिस प्रशासन से मांग की कि जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए तथा अपराधों में संलिप्त आरोपियों की शीघ्र पहचान कर गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए। कांग्रेस ने नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषकर रात्रिकालीन पुलिस गश्त बढ़ाने, संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित पेट्रोलिंग करने तथा पार्कों, बाजारों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर आवश्यकतानुसार सीसीटीवी निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। इसके साथ ही महिलाओं एवं छात्राओं की सुरक्षा के लिए विशेष सुरक्षा अभियान संचालित करने और स्कूल कॉलेजों सहित सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने का भी आग्रह किया गया। ज्ञापन में आदतन एवं हिस्ट्रीशीटर अपराधियों की नियमित निगरानी कर उनके विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करने, थाना स्तर पर आम नागरिकों की शिकायतों का त्वरित एवं निष्पक्ष निराकरण सुनिश्चित करने तथा अपराध नियंत्रण के लिए समय-समय पर विशेष अभियान चलाकर जनता का विश्वास पुनः स्थापित करने की भी मांग की गई। कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने आग्रह किया कि जिले की वर्तमान परिस्थितियों को गंभीरता से देखते हुए उपरोक्त सभी मांगों पर तत्काल प्रभाव से आवश्यक एवं कठोर कार्यवाही की जाए। जिससे जिले में कानून का राज स्थापित हो और अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। ज्ञापन सौपने के दौरान पूर्व मंत्री प्रेमसाय सिंह, पूर्व विधायक पारस नाथ राजवाड़े, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष भगवती राजवाड़े, पूर्व जि.पं. उपाध्यक्ष नरेश राजवाड़े, जिला कांग्रेस के पूर्व उपाध्यक्ष रामकृष्ण ओझा, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अश्विनी सिंह, शहर कांग्रेस अध्यक्ष मनोज डालमिया, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जफर हैदर, नगर पालिका अध्यक्ष कुसुमलता राजवाड़े, मंडल अध्यक्ष वीरेन्द्र बंसल, विष्णु कसेरा, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष आकाश साहू, संगठन महामंत्री भावना सिंह नेताम, शिवम साहू एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विकास का कोई विकल्प नहीं: टंक राम वर्मा

रायपुर । रायपुर जिले के तिल्दा विकासखंड अंतर्गत ग्राम टंडवा में राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने कुल 8.32 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इस दौरान मंत्री वर्मा ने ग्राम टंडवा में 444.55 लाख रुपये की लागत से बनने वाली दैहानपारा से झोपड़ा पारा बैकुंठ सड़क (2.675 किमी) और 387.69 लाख रुपये की लागत वाली टंडवा से बैकुंठ सड़क (2.65 किमी) का भूमिपूजन किया। इसके साथ ही शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला में 5 लाख रुपये के साइकिल स्टैंड और 10 लाख रुपये के प्रार्थना शेड का लोकार्पण भी संपन्न हुआ। मंत्री वर्मा ने कहा कि ग्रामीणों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की वर्षों पुरानी सड़क निर्माण की मांग अब पूरी हो चुकी है।

त्रिपुरेश्वरपुर में बिती रात तीन दुकानों में चोरी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। थाना के समीपस्थ ग्राम त्रिपुरेश्वरपुर में बिती रात तीन दुकानों में चोरी हो गई। दुकानदारों ने थाने में आवेदन पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। रामानुजनगर क्षेत्र में पुलिस चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने में पूरी तरह फेल है। स्थानीय चोरों का इलाके में आतंक फैल गया है आए दिन होने वाली छोटी बड़ी चोरी की घटनाओं से क्षेत्र के लोग काफी परेशान हैं। बताया जा रहा है कि बिती रात रामानुजनगर सप्ताहिक बाजार के पास स्थित एक बीज दुकान उसी से लगे किराना व टेलरिंग दुकान तथा एक हेयर कटिंग सैलून में चोरों ने चोरी कर लिया है। प्रार्थी कृष्ण लाल साहू, शोभनाथ साहू एवं प्रमोद ठाकुर ने पुलिस को दिए आवेदन पत्र में बताया है कि दिनांक 28 जून की रात ताला तोड़कर बीज दुकान से 19500 व अन्य सामान, शोभनाथ साहू के दुकान से 2000 नगद सिगरेट पैकेट सिलाई किया हुआ पेटीकोट गुटखा इत्यादि सामान तथा प्रमोद ठाकुर के सैलून से 3000 रूपए नगदी पर चोरों ने हाथ साफ कर दिया है। इसके पूर्व नगर सहित आस-पास गांवों में हुए दर्जनों चोरी की घटनाओं में एक भी चोरी की घटना में पुलिस चोरों को नहीं पकड़ पाई है। हाल के दिनों में ग्राम पतरापाली प्राथमिक शाला माध्यमिक शाला एवं हायर सेकंडरी स्कूल में लगे पानी टंकी तथा माध्यमिक शाला से अन्य सामान चोरी हुए हैं, थाने के सामने स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिषर, रामानुजनगर ,भाजपा कार्यालय तथा अनेक छोटी बड़ी चोरी की घटनाएं आए दिन घटित हो रही हैं। मगर स्थानीय पुलिस अब तक एक भी चोरी की घटना में चोरों को पकड़ने में सफलता नहीं पाई। ऐसे में न सिर्फ पुलिस की कार्य-प्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं बल्कि जनता का पुलिस पर से भरोसा कमजोर हो रहा है। पावती नहीं देते पुलिस वाले चोरी की घटनाओं का रिपोर्ट दर्ज कराने थाना पहुंचने वाले पिड़ितों ने बताया कि लिखित आवेदन पत्र देने पर थाने में आवेदन ले तो लेते हैं मगर आवेदन पत्र की पावती किसी भी चोरी का रिपोर्ट करने वालों को पुलिस नहीं देती है, यदि ग्रामीण चोरों को पकड़ लेते हैं तो उल्टे ग्रामीणों पर कार्रवाई कर दी जाती है।

होली क्रॉस स्कूल में सम्पन्न हुआ मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता कार्यक्रम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर - होली क्रॉस कॉन्वेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल (अंग्रेजी माध्यम), अम्बिकापुर में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति विद्यार्थियों को सचेत करते हुए जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। समाज सेवा की मिसाल श्रीमती शिल्पा पाण्डेय इस कार्यक्रम की संयोजक थी। इस कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण नगर निगम के सभापति हरमिन्दर सिंह दिन्नी, पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा दीपक कुमार झा , प्रजापिता ब्रह्मकुमारी की शाखा प्रमुख विद्या दीदी, विशप महोदय राइट रेवरेन्ट एन्टनी बडा, सुप्रसिद्ध समाज सेवी उमाकान्त पाण्डेय , मनोचिकित्सक डॉ इन्द्रप्रकाश, डॉ. शैलेन्द्र गुप्ता आदि थे। कार्यक्रम की शुरूआत वरिष्ठ शिक्षक सुनील तिवारी द्वारा अतिथियों के स्वागत उद्बोधन से हुई। श्रीमती शिल्पा पाण्डेय बच्चों को संबोधित करते हुए बताई कि आज के समाज में जो दुष्कर्म के केस सामने आते हैं उसमे ज्यादातर नाबालिक बच्चे ही होते हैं। इसलिए बच्चों को पढ़ाई के साथ साथ समाज के लिए भी उपयोगी बनना है। समाजसेवी उमाशंकर पाण्डेय बच्चों से संवाद करते हुए उनके अधिकार के संबंध में चर्चा किए और डॉ. इन्द्रप्रकाश मानसिक स्वास्थ्य विषय पर चर्चा के दौरान बच्चों को क्रोध पर काबू पाने की सीख दी। बिशप महोदय ने बच्चों को समझाया कि इस दुनिया में कोई परफेक्ट नहीं है, आत्मिक शांति से ही सत्य का मार्ग खुलता है। डॉ. शैलेन्द्र गुप्ता नशा से दूर रहने की सलाह देते हुए उससे होने वाले नुकसान और आपसी रिश्ते के खराब होने की बात बताई। इसी क्रम में विद्या दीदी ने बच्चों से नशा मुक्त रहने और दूसरों को भी नशा मुक्त कराने का संकल्प लिया। पुलिस महानिरीक्षक ने बच्चों को प्रेरित करते हुए बताया कि अपराध रोकने के लिए दण्ड नहीं बल्कि उससे पहले ही उसकी रोकथाम की जानी चाहिए। इसके लिए आपकी संगति अच्छी हो और सोशल मीडिया का सदुपयोग करें और अंत में नगर निगम के सभापति हरमिन्दर सिंह टिन्नी जी ने गुरूओं का सम्मान और माता पिता के आज्ञा का पालन करने की बात बताए और गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरूओं के महत्त्व को बताते हुए उनके प्रति श्रद्धा भाव रखने की सलाह दी। विद्यालय की प्राचार्य महोदया डॉ. सि. जेस्सी ने कहा कि आज यदि आप सभी विद्यार्थी कोई दो सीख भी इस कार्यशाला से लेकर अपने अभिभावकों को बताएँगे तो यही आज के इस कार्यक्रम की सफलता होगी। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन विद्यालय संसद की छात्र उपाध्यक्ष शाम्भवी सिंह ने किया और इसका सफल संचालन अंजनी कुमार पाण्डेय ने किया।

संभाग स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता: होली क्रॉस कॉन्वेंट बना सर्वश्रेष्ठ शतरंज विद्यालय, सैनिक स्कूल अंबिकापुर रहा उपविजेता

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। गत दिवस संपन्न हुई संभाग स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर होली क्रॉस कॉन्वेंट स्कूल, अंबिकापुर को ₹बेस्ट स्कूल इन चेस (विजेता)₹ तथा सैनिक स्कूल, अंबिकापुर को ₹बेस्ट स्कूल इन चेस (रनर-अप)₹ पुरस्कार से सम्मानित किया गया। शतरंज संघ के पदाधिकारियों द्वारा दोनों विद्यालयों को स्मृति-चिह्न (मोमेंटो) प्रदान किए गए। सैनिक स्कूल में यह सम्मान विद्यालय के उप-प्रधानाचार्य लेफ्टिनेंट कर्नल पी. श्रीनिवास को प्रदान किया गया, जबकि होली क्रॉस कॉन्वेंट स्कूल में प्राचार्या जेस्सी टेक्केन ने सम्मान ग्रहण किया। इस अवसर पर सैनिक स्कूल की ओर से प्रकाश तिवारी, श्री प्रदीप डांगरे एवं महेश सिन्हा उपस्थित रहे। समारोह के दौरान उप-प्रधानाचार्य लेफ्टिनेंट कर्नल पी. श्रीनिवास ने शतरंज के प्रति विशेष रुचि व्यक्त करते हुए विद्यालयों में इस खेल के व्यापक विकास हेतु हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। शतरंज संघ, सरगुजा द्वारा जानकारी दी गई कि शीघ्र ही छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के प्रदेश महासचिव श्री वी. के. राठी तथा सीआईएस हेड छत्तीसगढ़ अब्दुल शमीम के मार्गदर्शन में सरगुजा के प्रमुख विद्यालयों—होली क्रॉस कॉन्वेंट, सैनिक स्कूल, ओपीएस, कार्मेल एवं मॉन्टफोर्ट स्कूल—के मध्य एक उच्च स्तरीय अंतर-विद्यालय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रतिस्पर्धात्मक मंच उपलब्ध कराना एवं विद्यालयों में शतरंज को और अधिक प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ की ओर से अंतरराष्ट्रीय निर्णायक (आईए) अनिश अंसारी, राष्ट्रीय निर्णायक (एनए) प्रदीप मंडल, शतरंज संघ के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह राणा, उपाध्यक्ष एस.एस.पी. वर्मा तथा संभाग संयोजक बी. मणियन सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यालयों में शतरंज संस्कृति को बढ़ावा देना, विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता का विकास करना तथा उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए प्रेरित करना रहा।

विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर प्रदेश में जागरूकता, जांच और टीकाकरण अभियान चला

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में सुदृढ़ और जनकेंद्रित स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में निरंतर प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा प्रदेशभर में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया। शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों तथा सामुदायिक स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से नागरिकों को हेपेटाइटिस बी एवं सी संक्रमण से बचाव, समय पर जांच, टीकाकरण तथा सुरक्षित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप प्रदेश में आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया जा रहा है। इसी उद्देश्य से निवारक स्वास्थ्य सेवाओं, समय पर रोगों की पहचान तथा जनजागरूकता को स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकता बनाया गया है, जिससे गंभीर बीमारियों की रोकथाम एवं प्रभावी उपचार सुनिश्चित हो सके। विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर गौरेला-पेंड्रा-मरवाही सहित प्रदेश के सभी जिलों में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। शासकीय स्वास्थ्य केंद्रों में हेपेटाइटिस बी एवं सी की स्क्रीनिंग की गई तथा स्वास्थ्य कर्मियों एवं उच्च जोखिम वाले हितग्राहियों का हेपेटाइटिस-बी टीकाकरण किया गया। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में परामर्श सत्र, स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम और प्रचार-प्रसार गतिविधियों के माध्यम से लोगों को संक्रमण से बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में भी स्वास्थ्य विभाग द्वारा विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में विशेष अभियान चलाकर आमजन को हेपेटाइटिस के प्रति जागरूक किया गया।

सुपोषित छत्तीसगढ़ का आधार बनेगा मुनगा- मंत्री लक्ष्मी

घर-घर मुनगा, हर आंगन मुनगा अभियान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। वर्षा ऋतु के इस मौसम में अधिक से अधिक मुनगा पौधे लगाने के लिए महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी रजवाड़े ने प्रदेशवासियों से अपील की है। ताकि कुपोषण मुक्त, स्वस्थ और समृद्ध छत्तीसगढ़ का निर्माण हो सके। विभाग द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों और घरों में सुपोषण वृक्ष-मुनगा अभियान चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य बच्चों, किशोरियों और माताओं को स्थानीय पौष्टिक आहार उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि मुनगा, जिसे मदर्स ट्री कहा जाता है, प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन और विटामिन से भरपूर है और यह बच्चों के विकास, मातृ स्वास्थ्य तथा एनीमिया की रोकथाम में अत्यंत उपयोगी है। सरकार पोषण सुधार को जनभागीदारी आधारित अभियान बना रही है। आंगनबाड़ी और घरों में मुनगा पौधरोपण से पोषण जागरूकता और दीर्घकालिक स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

जनप्रतिनिधियों से सक्रिय सहभागिता का आग्रह

मंत्री ने सांसद, विधायक एवं पंचायत प्रतिनिधियों से अपने क्षेत्रों में मुनगा पौधरोपण का नेतृत्व करने का आग्रह किया। स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों, पंचायत भवनों और सार्वजनिक स्थलों पर व्यापक पौधरोपण कर सुपोषण वाटिका विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने महिला समूहों, आंगनबाड़ी कार्यकताओं, मितानिनों, युवाओं और संगठनों से अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की। खेतों, घरों और सार्वजनिक स्थानों पर लगाए गए मुनगा पौधे पोषण, पर्यावरण और हरियाली तीनों को बढ़ावा देंगे। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि मुनगा का हर पौधा स्वास्थ्य और समृद्धि का प्रतीक है। उन्होंने आह्वान किया कि घर-घर मुनगा, हर आंगन मुनगा, सुपोषित बचपन और स्वस्थ परिवार ही नए छत्तीसगढ़ की नींव है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह अभियान जनसहयोग से एक सशक्त जन-आंदोलन बनेगा और छत्तीसगढ़ को सुपोषित और हरित राज्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

बेरहमी से पत्नी की हत्या करने वाले पति को न्यायालय ने सुनाई उम्रकैद की सजा

मटन पकाने से इंकार करने पर जलती लकड़ी से प्रहार कर किया था हत्या

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के प्रतापपुर क्षेत्रान्तर्गत ग्राम जगन्नाथपुर में मामूली विवाद पर पत्नी को मौत के घाट उतारने वाले आरोपी पति को न्यायालय ने उम्र कैद की सजा सुनाई है। आरोपी हीरालाल टेकाम उर्फ भेंटन 48 वर्ष को अपर सत्र न्यायाधीश ओमप्रकाश सिंह चौहान की अदालत ने भारतीय न्याय संहिता बीएनएस, 2023 की धारा 103(1) के तहत दोषी ठहराते हुए उम्रकैद एवं एक हजार के अर्थदंड से दंडित किया है। अर्थदंड जमा नहीं करने पर उसे छह माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतना होगा। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि अभियुक्त द्वारा किया गया अपराध अत्यंत गंभीर, क्रूर और समाज को झकझोर देने वाला है। हालांकि, उपलब्ध परिस्थितियों के आधार पर यह मामला विरले से विरलतम की श्रेणी में नहीं पाया गया, इसलिए मृत्युदंड के स्थान पर आजीवन कारावास की सजा देना न्यायोचित माना गया। घटना 27 नवंबर 2024 की रात करीब 8 बजे की है। आरोपी शराब के नशे में मदहोश होकर घर पर मटन लेकर पहुंचा और पत्नी पूनम टेकाम से उसे पकाने को कहा। पत्नी द्वारा मटन बनाने से इनकार करते ही आरोपी ने चूल्हे से जलती हुई लकड़ी निकालकर उस पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल पूनम को आरोपी की मां रामो और मासूम पुत्र पप्पू टेकाम ने किसी तरह कमरे में लिटाया, लेकिन आरोपी का दिल तब भी नहीं पसीजा। पत्नी दर्द से तड़पती रही और वह स्वयं रसोई में जाकर मटन पकाकर खाता रहा। इसके बाद वह आराम से सो गया। अगली सुबह पूनम मृत अवस्था में मिली। पोस्टमार्टम करने वाले चिकित्सक डॉ. निमेश गुप्ता की रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि गंभीर अंदरूनी चोटों के कारण मृतिका के पेट में भारी मात्रा में रक्तस्राव हुआ था तथा उसकी प्लीहा बुरी तरह फट गई थी। अत्यधिक रक्तस्राव से हुए हिमोरैजिक शॉक को मृत्यु का कारण बताया गया। वहीं क्षेत्रीय न्यायालयिक विधि विज्ञान प्रयोगशाला अंबिकापुर की रिपोर्ट में घटनास्थल से जब्त मिट्टी, मृतिका के कपड़ों और आरोपी की टी-शर्ट पर मानव रक्त मिलने की पुष्टि हुई, जिसने अदालत में अभियोजन के पक्ष को और मजबूत कर दिया। न्यायालय ने यह भी आदेश दिया कि आरोपी 28 नवंबर 2024 से न्यायिक अभिरक्षा में निरुद्ध है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (इठरर), 2023 की धारा 468 के तहत जेल में बिताई गई अवधि को उसकी सजा में समायोजित किया जाएगा। साथ ही उसे छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर में अपील करने तथा निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने के अधिकारों से भी अवगत कराया गया। मामले में शासन की ओर से अतिरिक्त लोक अभियोजक अक्षय तिवारी ने पैरवी की। वहीं तत्कालीन चौकी प्रभारी खड़गवां सहायक उपनिरीक्षक योगेन्द्र जायसवाल एवं उनकी पुलिस टीम ने घटना की सूचना मिलते ही कुछ ही घंटों में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। विवेचना के दौरान पुलिस ने घटनास्थल से रक्तरंजित मिट्टी, मृतिका के कपड़े, आरोपी की टी-शर्ट तथा हत्या में प्रयुक्त जलती लकड़ी जब्त कर वैज्ञानिक जांच के लिए एफएसएल भेजी। मजबूत वैज्ञानिक साक्ष्यों और सटीक विवेचना के आधार पर अदालत ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

चिंतन

आंदोलन खत्म, अब सुधारों की बारी

नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के विरोध में दिल्ली के जंतर-मंतर पर चला छात्रों का आंदोलन आखिरकार केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद समाप्त हो गया। अब आंदोलन खत्म होने के बाद देश की शिक्षा व्यवस्था में सुधार लागू करने की बारी है, ताकि जवाबदेही तय हो सके और परीक्षाओं में पारदर्शिता आए। परीक्षा प्रणाली में ऐसे ठोस और संस्थागत सुधार किए जाएं, जो भविष्य में इस तरह के संकट की पुनरावृत्ति रोक सकें और करोड़ों विद्यार्थियों का भरोसा फिर से मजबूत करें। अब देश की निगाहें सरकार द्वारा प्रस्तावित परीक्षा सुधारों और उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर टिकी हैं। वहीं, केंद्र सरकार सोमवार को लोकसभा में कड़े नकल विरोधी कानून से जुड़ा 'सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026' पेश करेगी। प्रस्तावित संशोधनों के तहत दोषियों के लिए 10 वर्ष तक की सजा और 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। यदि संसद से पारित होकर ये प्रावधान प्रभावी ढंग से लागू होते हैं, तो परीक्षा माफिया के खिलाफ एक स्पष्ट और सख्त संदेश जाएगा। मामलों की सुनवाई के लिए विशेष फास्ट ट्रैक अदालतों का प्रस्ताव भी महत्वपूर्ण है। जांच को दो माह के भीतर पूरा करने और आरोप-पत्र दाखिल होने के बाद तीन माह के भीतर सुनवाई समाप्त करने की समय-सीमा तय करना न्याय प्रक्रिया को गति देने का प्रयास है। यदि यह व्यवस्था व्यवहार में भी उतनी ही प्रभावी साबित होती है, तो वर्षों तक लंबित रहने वाले मामलों की समस्या काफी हद तक कम हो सकती है और कानून का भय भी बढ़ेगा। दूसरी तरफ सरकार ने इन्फोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणी की अध्यक्षता में परीक्षा सुधारों के लिए एक हाई पावर्ड टास्क फोर्स का गठन किया है। यह कदम इस बात का संकेत है कि सरकार परीक्षा व्यवस्था में केवल तात्कालिक नहीं, बल्कि दीर्घकालिक और संरचनात्मक बदलाव चाहती है। इस टास्क फोर्स से अपेक्षा है कि वह प्रश्नपत्रों की सुरक्षा, डिजिटल निगरानी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित जोखिम पहचान, परीक्षा संचालन, डेटा सुरक्षा और संस्थागत जवाबदेही को मजबूत करने के लिए व्यावहारिक सुझाव देगी। यदि इसकी सिफारिशों को समयबद्ध तरीके से लागू किया जाता है, तो देश की परीक्षा प्रणाली अधिक आधुनिक, सुरक्षित और विश्वसनीय बन सकती है। सरकार ऑनलाइन कंप्यूटर आधारित परीक्षाओं (सीबीटी) के विस्तार, परीक्षा केंद्रों की निगरानी और तकनीकी सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने की दिशा में भी आगे बढ़ रही है। प्रतियोगी परीक्षाएं करोड़ों युवाओं के सपनों का आधार होती हैं। यदि उन्हें यह भरोसा नहीं रहेगा कि उनकी सफलता केवल उनकी मेहनत से तय होगी, तो पूरी शिक्षा व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लग जाएगा। इसलिए सुधारों का लक्ष्य केवल अपराधियों को दंडित करना नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था बनाना होना चाहिए, जिसमें गड़बड़ी की गुंजाइश ही न्यूनतम रह जाए। आंदोलन समाप्त हो चुका है, लेकिन सुधारों की असली परीक्षा अब शुरू हुई है। यदि सरकार घोषित कानूनी, प्रशासनिक और तकनीकी सुधारों को ईमानदारी और समयबद्ध तरीके से लागू करती है, तो यह केवल परीक्षा प्रणाली ही नहीं, बल्कि देश के युवाओं के भविष्य में विश्वास को भी नई मजबूती देगा। अब देश को इस्तीफों से आगे बढ़कर स्थायी सुधारों का परिणाम देखना है।

अर्थव्यवस्था

डॉ.जयंतीलाल भंडारी

अमेरिकी सीनेट में पेश किए गए एक नए विधेयक के तहत एच-1बी वीजा जारी करने पर तीन साल की रोक लगाने का प्रस्ताव रखा गया है। इस कदम से अमेरिका जाने का सपना देख रहे भारतीय आईटी और तकनीकी क्षेत्र के पेशेवरों पर सीधा और बड़ा असर पड़ सकता है। वीजा के लिए नए प्रस्तावों में 1,00,000 डॉलर (लगभग 85-95 लाख रुपये) तक का भारी-भरकम शुल्क और कठोर न्यूनतम वेतन मानदंड शामिल हैं। वीजा के लिए पारंपरिक रैंडम लॉटरी खत्म करके केवल उच्च वेतन और वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को प्राथमिकता देने की तैयारी है। वीजा धारकों के आश्रितों और परिजनों पर भी कई तरह की पाबंदियां लगाने की चर्चा है।

अमेरिका से बढ़ती आर्थिक चुनौतियां

इन दिनों अमेरिका में एच-1बी वीजा रोक की तैयारी और भारत के लिए बढ़ते हुए टैरिफ से संबंधित तीन परिदृश्य भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए नई चुनौतियां के रूप में दिखाई दे रहे हैं । एक, 25 जुलाई को अमेरिकी सीनेट में एच-1बी वीजा पर 3 साल तक रोक लगाने संबंधी एक नया और बेहद सख्त विधेयक पेश किया गया है। दो, 24 जुलाई से धारा 301 के तहत अमेरिका में भारतीय आयातों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लागू किया गया है। तीन, 1 अगस्त 2026 से अमेरिका के द्वारा आयात की जाने वाली भारत की जेनेरिक दवाओं पर चरणबद्ध तरीके से 200 प्रतिशत तक टैरिफ का ऐलान किया गया है।

उल्लेखनीय है कि अमेरिकी सीनेट में पेश किए गए एक नए विधेयक के तहत एच-1बी वीजा जारी करने पर तीन साल की रोक लगाने का प्रस्ताव रखा गया है। इस कदम से अमेरिका जाने का सपना देख रहे भारतीय आईटी और तकनीकी क्षेत्र के पेशेवरों पर सीधा और बड़ा असर पड़ सकता है। वीजा के लिए नए प्रस्तावों में 1,00,000 डॉलर (लगभग 85-95 लाख रुपये) तक का भारी-भरकम शुल्क और कठोर न्यूनतम वेतन मानदंड शामिल हैं। वीजा के लिए पारंपरिक रैंडम लॉटरी खत्म करके केवल उच्च वेतन और वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को प्राथमिकता देने की तैयारी है। वीजा धारकों के आश्रितों और परिजनों पर भी कई तरह की पाबंदियां लगाने की चर्चा है। हालांकि, 1 लाख डॉलर की भारी फीस वाले प्रशासनिक आदेश पर अदालती रोक फिलहाल बरकरार है, फिर भी संसद में पेश इस नए विधेयक ने अनिश्चितता का माहौल बना दिया है। यदि यह कानून लागू होता है, तो भारतीय पेशेवरों और सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए चुनौतियां काफी बढ़ सकती हैं। शुरुआत में भारत पर 12.5 प्रतिशत शुल्क लगाने का प्रस्ताव था, जिसे घटाकर 10 प्रतिशत किया गया है। भारत द्वारा अपनी विदेश व्यापार नीति में सुधार कर जबरन मजदूरी से बने सामानों पर प्रतिबंध लगाने के कारण यह राहत मिली है। यह बात महत्वपूर्ण है कि अमेरिका भारत का सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार और सबसे बड़ा निर्यात बाजार है। वर्ष 2025-26 में दोनों देशों के बीच लगभग 141 अरब अमेरिकी डॉलर का व्यापार हुआ था, जिसमें भारत का कुल निर्यात 87.3 अरब डॉलर रहा था। भारत के कुल वस्तु निर्यात में अमेरिका की बड़ी हिस्सेदारी होने के कारण वस्त्र उद्योग, रत्न एवं आभूषण, वाहन कलपुर्जे जैसे क्षेत्रों के लाभ मार्जिन पर सीधा प्रहार होगा। इसी परिप्रेक्ष्य में यह भी चिंताजनक है कि 22 जुलाई को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा आयातित जेनेरिक दवाओं पर चरणबद्ध तरीके से टैरिफ लागू करने की घोषणा की गई है। इस नीति के तहत 1 अगस्त 2026 से 31 जुलाई 2028 तक, यानी शुरुआती दो वर्षों के लिए, आयातित जेनेरिक दवाओं को टैरिफ से पूरी तरह मुक्त रखा गया है, ताकि अमेरिकी बाजार में दवा आपूर्ति में तुरंत कोई बाधा न आए। इसके पश्चात, 1 अगस्त 2028 से 31 जुलाई 2029 तक एक वर्ष के लिए दवाओं के मूल्य पर सीधे 100 प्रतिशत का टैरिफ लागू किया जाएगा। अंततः 1 अगस्त 2029 के बाद इस टैरिफ को बढ़ाकर 200 प्रतिशत के उच्चतम स्तर पर पहुंचा दिया जाएगा। ट्रंप द्वारा जेनेरिक दवाओं पर इस कड़े टैरिफ ढांचे को

अपनाने का मुख्य उद्देश्य विदेशी दवा कंपनियों को अमेरिका के भीतर निर्माण इकाइयां स्थापित करने के लिए बाध्य करना है। जो दवा निर्माता दी गई इस समयावधि के भीतर अपना उत्पादन घरेलू स्तर पर अमेरिका में स्थानांतरित नहीं करेंगे, उन पर 200 प्रतिशत का भारी आर्थिक दंडस्वरूप टैरिफ लागू होगा। अब अमेरिकी टैरिफ की इस नई चुनौती से निपटने के लिए भारत को कई रणनीतिक बिंदुओं पर तुरंत ध्यान केंद्रित करना होगा। अगस्त 2026 से जुलाई 2028 तक मिलने वाली शून्य प्रतिशत शुल्क की अवधि का उपयोग भारतीय कंपनियों और सरकार को दीर्घकालिक रणनीति बनाने में करना चाहिए। बड़ी भारतीय दवा कंपनियों को यह मूल्यांकन करना होगा कि क्या अमेरिका में स्थानीय संयंत्र स्थापित करना या वहां की कंपनियों के साथ रणनीतिक साझेदारी करना आर्थिक रूप से व्यावहारिक है। चूंकि अमेरिका में प्लांट लगाने और एफडीए मंजूरी में भारी निवेश लगता है, इसलिए यह देखना होगा कि टैरिफ लगने के बाद भी क्या भारतीय दवाएं अमेरिकी विकल्पों से सस्ती रह पाती हैं या नहीं। भारत को अपनी निर्भरता केवल अमेरिकी बाजार तक सीमित न रखकर यूरोपीय संघ, लैटिन अमेरिका, अफ्रीका और एशिया के उभरते बाजारों में अपना निर्यात तेजी से बढ़ाना चाहिए। पारंपरिक जेनेरिक दवाओं के स्थान पर अब जटिल जेनेरिक और बायोसिमिलर दवाओं के शोध व विकास पर अधिक ध्यान देना होगा। भारत को अपनी लागत-कुशल उत्पादन रणनीति और दवाओं की विश्वस्तरीय गुणवत्ता पर निरंतर ध्यान देना होगा। सरकार को फार्मा पार्कों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना होगा और दवा उद्योग के साथ आईटी व डिजिटल विशेषज्ञता को एकीकृत करना होगा। स्वदेशी फार्मास्युटिकल अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए दवा अनुमोदन प्रक्रियाओं को सरल, त्वरित और पारदर्शी बनाना होगा तथा वैश्विक नियामक प्राधिकरणों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करना होगा। यद्यपि पिछले वर्ष ब्रांडेड दवाओं पर लगाया गया टैरिफ भारत के लिए बेअसर साबित हुआ था, लेकिन अब जेनेरिक दवाओं पर टैरिफ की यह नई चुनौती अधिक गंभीर है।

भारत को अपनी फार्मा रणनीति को नए सिरे से गढ़ना होगा। निश्चित रूप से टैरिफ की चुनौतियों के मद्देनजर अमेरिका व भारत के बीच अंतिम आकार ले रहे द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की अहमियत बढ़ गई है। ऐसा एक औपचारिक और संतुलित व्यापार समझौता भारत के प्रमुख निर्यात उत्पादों जैसे दवाई, रत्न एवं आभूषण, वस्त्र, मसाले और हस्तशिल्प पर अमेरिकी शुल्क दरों को काफी कम या शून्य दर पर ला सकता है। इससे धारा 301 के तहत लगे 10 प्रतिशत टैरिफ और भविष्य में जेनेरिक दवाओं पर लगने वाले भारी टैरिफ का असर स्वतः समाप्त या सीमित हो जाएगा, जिससे भारतीय निर्यातक अमेरिकी बाजार में अपनी मजबूत पकड़ बनाए रख सकेंगे। द्विपक्षीय व्यापार समझौते का दूसरा सबसे बड़ा लाभ वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत की केंद्रीय भूमिका के रूप में सामने आएगा। दुनिया के प्रमुख देश अब किसी एक बाजार पर अति-निर्भरता समाप्त कर सुरक्षित विकल्पों की तलाश कर रहे हैं। इस समझौते के माध्यम से अमेरिकी कंपनियां इलेक्ट्रॉनिक्स, वाहन कलपुर्जे, सौर ऊर्जा और सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्रों में भारत को एक विश्वसनीय और पसंदीदा वैश्विक केंद्र के रूप में चुनेंगी। इससे न केवल देश में बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि घरेलू विनिर्माण क्षमता का भी अभूतपूर्व विस्तार होगा। लॉजिस्टिक्स लागत घटाकर तथा अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता मानक अपनाकर भारतीय उत्पादों को वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी बनाना आवश्यक है।

(लेखक अर्थशास्त्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

इस्तीफा

डॉ. घनश्याम बादल

सत्ता की सबसे बड़ी परीक्षा

चुनाव नहीं, विश्वास

सत्ता कभी यह स्वीकार नहीं करती कि वह दबाव में है। वह निर्णयों को दूरदर्शिता का नाम देती है, परिस्थितियों को सामान्य बताती है और विरोध को राजनीति कहकर खारिज करती है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि कभी-कभी सड़क संसद से अधिक प्रभावशाली हो जाती है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफ़ा भी उसी सत्य की पुनर्पुष्टि है। यह केवल एक मंत्री के पद छोड़ने की घटना नहीं है। यह उस बेचैनी का राजनीतिक स्वीकार है जो पिछले कुछ समय से देश के युवाओं के मन में उबल रही थी। प्रश्न केवल परीक्षा का नहीं था।

प्रश्न यह था कि क्या इस देश में मेहनत करने वाले छात्र का भविष्य सुरक्षित है? क्या उसकी सफलता उसकी योग्यता तय करेगी या व्यवस्था की लापरवाही? जब ये प्रश्न लाखों युवाओं के भीतर एक साथ उठते हैं, तब उनका उत्तर किसी प्रेस कॉन्फ्रेंस से नहीं, बल्कि राजनीतिक निर्णयों से देना पड़ता है। धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफ़ा उसी उत्तर का पहला वाक्य है, पूरी कहानी नहीं। सबसे दिलचस्प बात यह है कि सरकार ने वह किया, जिसे वह लंबे समय तक करने से बचती रही। पहले सफ़ाइयां दी गईं। फिर जांच बैठी। फिर सुधारों का आश्वासन दिया गया। उसके बाद भी जब आक्रोश शांत नहीं हुआ तो अंततः राजनीतिक उत्तरदायित्व स्वीकार करना पड़ा। यह स्वीकारोक्ति जितनी आवश्यक थी, उतनी ही विलंबित भी। राजनीति में देर से लिया गया सही निर्णय भी कई बार अधूरा साबित होता है।

यदि यही कदम तब उठाया जाता, जब युवाओं का विश्वास पहली बार डगमगाया था, तो शायद सड़कों पर उतरने की नौबत ही नहीं आती। सरकार ने अंततः घाव पर मरहम लगाया, लेकिन तब जबकि घाव नासूर बनने लगा था। भाजपा के लिए यह घटना एक गंभीर राजनीतिक संदेश है। पिछले एक दशक में पार्टी ने निर्णायक नेतृत्व और मज़बूत प्रशासन की छवि बनाई है। किंतु निर्णायक नेतृत्व का अर्थ केवल कठोर निर्णय लेना नहीं होता; समय पर सही निर्णय लेना भी होता है। यदि जनता यह मानने लगे कि सरकार केवल दबाव पड़ने पर ही प्रतिक्रिया देती है, तो उसकी सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी-विश्वसनीयता-धीरे-धीरे क्षीण होने लगती है। यहां विपक्ष भी पूरी तरह निर्दोष नहीं है। किसी मंत्री का इस्तीफ़ा लोकतंत्र की अंतिम विजय नहीं होता। यदि विपक्ष इसे केवल राजनीतिक ट्रॉफी बनाकर रख देगा और शिक्षा व्यवस्था के व्यापक सुधारों पर गंभीर विमर्श नहीं करेगा, तो वह भी युवाओं की अपेक्षाओं के साथ न्याय नहीं कर पाएगा। आंदोलन का उद्देश्य व्यक्ति नहीं, व्यवस्था होनी चाहिए। अब सबसे बड़ा प्रश्न जंतर-मंतर पर चल रहे आंदोलन का है। क्या मंत्री के इस्तीफ़े के बाद धरना समाप्त हो जाएगा?

यदि ऐसा होता है, तो यह मानना पड़ेगा कि आंदोलन का लक्ष्य व्यक्ति था, व्यवस्था नहीं। लेकिन यदि आंदोलन जारी रहता है और उसकी मांगें परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, संस्थागत सुधार, जवाबदेही और युवाओं के भविष्य की सुरक्षा तक विस्तृत होती हैं, तब यह भारतीय लोकतंत्र के लिए अधिक परिपक्व संकेत होगा। आंदोलनों की सफलता किसी पदत्याग से नहीं, नीतिगत परिवर्तन से मापी जाती है। आगामी चुनावों पर इसका प्रभाव अवश्य पड़ेगा, पर उसकी तीव्रता सरकार के अगले कदम तय करेंगे। मतदाता भूल भी जाता है, पर युवा अपमान नहीं भूलता। यदि उसे लगे कि उसकी मेहनत का सम्मान लौटा है, तो राजनीतिक क्षति सीमित रह जाएगी। लेकिन यदि यह धारणा बनी कि केवल एक चेहरा बदला गया और व्यवस्था वैसी ही रही, तो यह असंतोष मतदान की चुप्पी में भी दिखाई देगा। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा सबक शायद यही है कि भारत की नई राजनीति का केंद्र अब जाति और धर्म के साथ-साथ युवा आकांक्षाएं भी बन चुकी हैं। यह पीढ़ी भाषणों से अधिक अवसर चाहती है, नारों से अधिक निष्पक्षता और आश्वासनों से अधिक विश्वसनीय संस्थाएं। जो राजनीति इस बदलाव को नहीं समझेगी, वह धीरे-धीरे अपनी ज़मीन खोती जाएगी। धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफ़ा एक व्यक्ति का राजनीतिक अवसान नहीं है। यह सत्ता के लिए चेतावनी है कि लोकतंत्र में जनता केवल सरकार नहीं चुनती, जवाबदेही भी तय करती है।

जब करोड़ों युवाओं का भविष्य दांव पर हो, तब सत्ता की सबसे बड़ी परीक्षा चुनाव नहीं, विश्वास होती है। अब देश की निगाह नए शिक्षा मंत्री पर नहीं, नई शिक्षा व्यवस्था पर है। क्योंकि मंत्री बदलने से राजनीति बदल सकती है, लेकिन व्यवस्था तभी बदलती है, जब सत्ता यह स्वीकार करे कि जनता केवल शासन नहीं, न्याय भी चाहती है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

योग के सभी सूत्र जीवन की आधारशिला

योग प्राचीन काल से भारतीय आध्यात्मिक संचेतना का केंद्र रहा है। इसके आदिम सूत्रधार परमयोगी भगवान शिव हैं। योग शब्द का प्रयोग विभिन्न अर्थों में होता रहा है। समाधि अर्थ में इसका प्रयोग आत्मा और परमात्मा के मिलन के लिए किया जाता है, जब साधक अपनी साधना की चरमावस्था में परमात्मा से एकाकार होकर उसका साक्षात्कार कर लेता है।

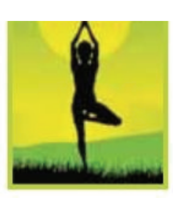

संकलित

दर्शन

अग्निपुराण में भी मन एवं आत्मा तथा आत्मा और परमात्मा के संयोग को योग कहा गया। सांख्यदर्शन के अनुसार प्रकृति और पुरुष का भेद होने पर भी पुरुष का आत्मस्वरूप में स्थित हो जाना योग कहलाता है। कठोपनिषद् के अनुसार, जब इंद्रियां मन के साथ और मन अविचल बुद्धि के साथ स्थिर हो जाता है तो यह अवस्था योग की होती है। गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने 'योगः कर्मसु कौशलम्' कहकर योग का जो स्वरूप अजरुन के समक्ष प्रस्तुत किया है वह सामान्य जन के सर्वाधिक निकट है। कोई भी मनुष्य एकाग्रचित्त होकर निष्काम भाव से कर्म करते हुए योग को सिद्ध कर सकता है। योगसूत्र के प्रणोता महर्षि पतंजलि संयमन अर्थ में चित्तवृत्तियों के निरोध को योग कहते हैं। उनके अनुसार यम, नियम, आसन, ध्यान, धारणा आदि आठ अंगों से संपन्न प्राणायाम की विविध क्रियाएं योग कहलाती हैं। इससे चित्त की एकाग्रता बढ़ती है। बुद्धि में स्थिरता आती है। चिंतन उत्कृष्ट होता है। मन में सद्विचारों का उदय होता है। नकारात्मक प्रवृत्तियां स्वतः समाप्त हो जाती हैं। परिणामतः आत्मिक और शारीरिक शक्तियों में वृद्धि होती है।

अहंकार ही व्यक्ति की समस्याओं का कारण

एक बार नारद मुनि ने कामदेव को पराजित कर दिया तो इस बात का घमंड हो गया। इसके बाद नारद जी जहां जाते, वहां अपनी तारीफ करने लगते। ऐसे ही एक दिन वे शिव जी के पास पहुंच गए। नारद जी ने शिव जी के सामने अपनी प्रशंसा करना शुरू कर दी। शिव जी नारद मुनि की बातें सुनकर समझ गए कि इन्हें अहंकार हो गया है। शिव जी से

संकलित

प्रेरणा

विदा लेकर नारद मुनि विष्णु जी के पास पहुंच गए और विष्णु जी के सामने अपनी तारीफ करनी शुरू कर दी। विष्णु जी के सामने नारद मुनि ने अहंकार दिखाया तो विष्णु जी ने तय किया कि नारद जी भक्त हैं और इनका घमंड करना सही नहीं है। इसके बाद विष्णु जी ने अपनी माया रची। नारद मुनि विष्णु जी के यहां लौट रहे थे तो उन्हें रास्ते में एक सुंदर राज्य दिखा। वे उस राज्य में पहुंचे तो वहां देखा कि एक राजकुमारी का स्वयंवर हो रहा है। राजकुमारी बहुत सुंदर थी। उसे देखकर नारद ही मोहित हो गए और तुरंत ही विष्णु जी के पास पहुंच गए। नारद मुनि ने विष्णु जी से कहा कि आप मुझे सुंदर रूप दे दीजिए। ताकि मैं उस स्वयंवर राजकुमारी से विवाह कर सकूं। इसके बाद नारद मुनि उस स्वयंवर में पहुंच गए। विष्णु जी ने नारद मुनि को बंदर का मुख दे दिया था। स्वयंवर में नारद पहुंचे तो वहां बंदर जैसे मुख की वजह से उनका बहुत अपमान हुआ। गुस्से में नारद मुनि ने विष्णु जी को शाप दे दिया, लेकिन जब उनका मन शांत हुआ तो उन्हें पूरी बात समझ आ गई। जब नारद का घमंड टूटा तो उन्होंने भगवान से क्षमा मांगी।

पेपर लीक पर लीक से हटकर ... जंतर मंतर, सब छूमंतर...

(रुद्र अवस्थी)

दिल भी एक जिद पर अड़ा है किसी बच्चे की तरह,
या तो सब कुछ इसे चाहिए या कुछ भी नहीं.....

रचनाकार राजेश रेड्डी की इन लाइनों को जेन जी ने दिल्ली के जंतर मंतर पर उतार दिया और जिद पर ऐसे अड़े कि सब कुछ ले लिया जो उन्हें चाहिए था..। और जंतर मंतर.... में जुटी भीड़ ने वह सब छू मंतर.... कर दिया , जो पिछले कई बरसों से मजबूत खंबे की तरह अड़ा हुआ था1724 में बना जंतर मंतर एक खगोलीय वेधशाला है। जिसे सूर्य, चंद्रमा और ग्रहों की गति नापने के लिए बनाया गया था। इसी जंतर मंतर ने आज के समय की नाप - जोख दुनिया के सामने रख दी है। इस आंदोलन में छात्रों की जीत लोकतांत्रिक तरीके से लड़ी गई लड़ाई की जीत है। इस लड़ाई का जो नतीजा सामने आया है उसे सामने रखकर मौजूदा और आने वाले समय को पढ़ा जा सकता है। दिलचस्प बात यह है कि अंग्रेजी में इस्तेमाल होने वाला पेपर लीक शब्द इस मुहिम के केंद्र में रहा है। और हिंदुस्तानी जुबान के एक शब्द लीक के अनुरूप इस मुहिम ने लीक से हटकर बहुत कुछ कर दिखाया। लीक से हटकर सबसे पहली बात तो यह हुई की सोशल मीडिया में मजाक के तौर पर बनी एक पार्टी कॉकरोच जनता पार्टी जमीन पर उतर आई। आज की पीढ़ी को रील वाली पीढ़ी कहा जाता है । लेकिन उसने रियल में जमीन पर उतरकर साबित किया कि वह लीक से हटकर भी चल सकती है। लीक से हटकर बिना किसी बड़े नेता की अगुवाई के यह आंदोलन देश भर में फैल गया। लीक से हटकर छात्रों और खासकर बच्चियों पर बर्बरता से लाठी चार्ज हुआ। आंदोलन को मजबूती देने के लिए लीक से हटकर देश के तमाम हिस्सों से लोगों ने जोमैटो और स्विग्गी के जरिए जंतर मंतर तक खाना पहुंचवाया। लीक से हटकर इंस्टाग्राम पर रील साझा की गई। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने कभी कहा था कि झ भैया इस सरकार में इस्तीफा नहीं होते. । लेकिन लीक से हटकर आखिर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा हुआ। घर में मौजूद कॉकरोच अक्सर कुचल

दिए जाते हैं। लेकिन लीक से हटकर आंदोलन ने इस बार साबित कर दिया कि कॉकरोच भी चाहें तो व्यवस्था के जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों का गुरूर कुचल सकते हैं। हाल के दिनों में जो लीक बनी है उससे हटकर भी बहुत सी चीजें हुईं। इस आंदोलन के दौरान सरकार कई जगह दुविधा में नजर आई। इस आंदोलन में हिंदू मुस्लिम से लेकर ईडी सीबीआई जैसे शब्दों का कोई असर दिखाई नहीं दिया। अलबत्ता लोगों के अंदर जिस तरह से डर की बात की जाती थी वह डर खत्म होती नजर आई और आखिर में यह बात आंदोलन के मंच से कही गई कि- झुकती है दुनिया झुकाने वाला चाहिए. । लीक से हटकर यह बात भी नजर आई कि जहां आंदोलन के दौरान लाठी चार्ज या पानी की बौछार पर लोग डर कर तितर बितर होते हैं । लेकिन इस आंदोलन में जेन जी ने मीम और रील के जरिए यह दिखाया कि वह ऐसे दमन को भी एंजॉय कर सकती है। अगर पिछले 10-12 वर्षों की बात करें तो देश की राजधानी में किसान आंदोलन और पहलवानों के आंदोलन की चर्चा खूब रही। लेकिन उस दौरान सरकार का रुख ऐसा नहीं था जैसा छात्र आंदोलन के दौरान नजर आया। यहां भी लीक से हटकर चलने की बड़ी वजह यही है कि शिक्षा और पेपर लीक से जुड़े मुद्दे का देश के सभी परिवारों से भी इसका सीधा रिश्ता है। हालांकि जब यह आंदोलन शुरू हुआ तो पिछले कुछ आंदोलनों की तरह इसे भी पाकिस्तानी, बांग्लादेशी और चीनी झ विदेशी फंडिंग जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर बदनाम करने की कोशिश की गई। लेकिन इस मुहिम से जुड़े लोगों के साथ यह बात चिपक नहीं सकी। आंदोलन से जुड़े हुए ट्रिगर प्वाइंट कई जगह नजर आए । जब सबसे पहले नौजवानों को कॉकरोच कहा गया तब एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कॉकरोच जनता पार्टी का नाम पहली बार सामने आया। जिससे लाखों लोग जुड़ गए। इसके बाद सोनम वांगचुक जैसी हस्ती का जुड़ना भी एक ट्रिगर प्वाइंट था। फिर जिस तरह सोनम वांगचुक को सफेद चादर में लपेटकर आंदोलन स्थल से उठाया गया उसने भी ट्रिगर प्वाइंट का काम किया। फिर 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान बड़ी भीड़ इकट्ठा हुई और जब भीड़ पर बर्बरता से लाठी चली तो एक और ट्रिगर प्वाइंट बन गया। इसके बाद तो पूरा आंदोलन परवान चढ़ता गया। इस आंदोलन के दौरान यह बात भी कही गई कि झ अतीत कभी भविष्य से नहीं लड़ सकता. । देश के भविष्य के रूप में हम सबके बीच मौजूद छात्रों - नौजवानों की पीढ़ी अपनी मांग पर अड़ी रही और धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के साथ ही मुआवजा देने और प्रकरण वापसी की तीनों मांगे सरकार को माननी पड़ी। यह इस आंदोलन का सबसे बड़ा हासिल है। आंदोलन को शुरू में अनदेखा किया गया । फिर इसे बदनाम करने की कोशिश हुई और आखिर में दबाव ऐसा बना की लीक से हटकर सरकार को वह सब करना पड़ा जो उसकी अब तक की पहचान में शामिल नहीं है। आंदोलन के दौरान सरकार की ओर से यह बात भी आई की फास्ट ट्रैक कोर्ट के जरिए मामलों का निपटारा किया जाएगा। सरकार की यह बात आने वाले समय में जमीन पर उतरेगी। लेकिन सोशल मीडिया के जरिए खड़े हुए एक संगठन ने महज 36 दिन के भीतर बड़ी जीत हासिल कर यह बता दिया कि आंदोलन भी फास्ट ट्रैक हो सकता है। इस आंदोलन ने देश भर में लोगों के बीच सोचने के लिए कई मुद्दे दिए हैं। हाल के वर्षों में जिस तरह लच्छेदार भाषण, नैरेटिव और लोगों के बीच खाई पैदा करने की रणनीति को पॉलिटिक्स का अहम हिस्सा माना जाता रहा है। वहां एक बड़े आंदोलन ने इन तमाम ट्रिक को बेअसर साबित किया। खास बात यह भी रही कि सीजेपी के अभिजीत दीपके सहित उनकी टीम के अहम हिस्सा रहे सौरव दास औरझ आशुतोष रांका ने पूरी परिपक्वता के साथ आंदोलन की डोर को एक सिरे से संभाल रखा था। आखिर में अभिजीत दीपके की यह बात भी गौर करने लायक है कि- इस जीत के लिए मुझे हीरो मत बनाना। एक इंसान को तो हीरो बनाने के कारण देश का कबाड़ा हुआ है। इस तरह की खूबियों के साथ पेपर लीक से शुरू हुआ या आंदोलन लीक से हटकर कई नतीजों और कई संदेशों के साथ खत्म हो गया। क्या देश में आने वाले समय में भी इसका असर होगा..... जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों को जवाबदेह बनाने के लिए सवाल इसी तरह से उठाए जाएंगे, सिस्टम के खिलाफ लड़ाई में लोग निडर होकर सामने आएंगे .... । इसे जानने के लिए आने वाले वक्त का इंतजार करना ही बेहतर होगा।

खबर संक्षेप

कर्मचारियों के घंटे गिने इंफोसिस पर जुर्माना

पेरिस। फ्रांस की एक अथॉरिटी ने भारतीय कंपनी इंफोसिस पर जुर्माना लगाया है। ये जुर्माना

कर्मचारियों की टाइम ट्रैकिंग को लेकर किया गया है। दरअसल फ्रांस अथॉरिटी का कहना है कि कर्मचारियों की टाइम ट्रैकिंग में कंपनी ने लोकल कानून का उल्लंघन किया है। देश की बड़ी आईटी कंपनी इंफोसिस पर फ्रांस की एक सरकारी लेबर अथॉरिटी ने 1,75,000 यूरो (करीब 2 करोड़ रुपए) का जुर्माना लगाया है। कर्मचारियों के काम के घंटे रिकॉर्ड करने पर जुर्माना लगा है।

वेनेजुएला में भूकंप से 2 फीट खिसकी धरती

नई दिल्ली। वेनेजुएला में पिछले महीने आए दो शक्तिशाली भूकंपों को लेकर इसरो और नासा के संयुक्त

मिशन निसार सैटेलाइट ने बड़ा खुलासा किया है। सैटेलाइट डेटा के विश्लेषण से पता चला है

जहाज पर एक भारतीय की मौत पर एक्शन में मोदी सरकार

यूक्रेन के राजदूत को किया तलब, ईरान ने भी 'जवाबी कार्रवाई' की दे डाली धमकी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ब्लैक सी (काला सागर) में कमर्शियल शिप एमवी ओमोर्फी पर हुए हमले को लेकर भारत सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। इस हमले में एक भारतीय नाविक की दुखद मौत के बाद विदेश मंत्रालय ने भारत में यूक्रेन के राजदूत डॉ. ओलेक्सांद्र पोलिशचुक को तलब किया और गहरी चिंता व्यक्त की।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, 18 जुलाई को जब इस कमर्शियल जहाज पर हमला हुआ, तब उस पर तीन भारतीयों सहित कुल 10 क्रू मेंबर्स सवार थे। भारत ने इस घटना में मारे गए भारतीय के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए वाणिज्यिक जहाजों पर होने वाले हमलों की सख्त लहजे में निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट कहा कि ऐसे हमले समुद्री आवाजाही की सुरक्षा, जहाजों की आवाजाही के अधिकार और अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बुरी तरह प्रभावित करते हैं। भारत ने यूक्रेनी राजदूत के जरिए उनकी सरकार को संदेश दिया कि निर्दोष नागरिक नाविकों की जान जोखिम में डालने वाले ऐसे हमले पूरी तरह अस्वीकार्य हैं और इन्हें तुरंत रोका जाना चाहिए। रूस स्थित भारतीय मिशन पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता पहुंचाने के लिए स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है। भारत ने सभी पक्षों से अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का पालन करने की अपील की है। दूसरी ओर, समुद्री तनाव अब कैस्पियन सागर तक फैल गया है।

कमर्शियल शिप पर हुए हमले की भारत ने निंदा की | शिप पर 10 क्रू मेंबर थे सवार उसी दौरान हुआ था हमला

भारत के साथ ईरान भी कर रहा सख्ती

यूक्रेन द्वारा कैस्पियन सागर में एक ईरानी कमर्शियल शिप को निशाना बनाए जाने के बाद ईरान ने उग्र प्रतिक्रिया दी है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने सोमवार (27 जुलाई 2026) को इस हमले को अंतरराष्ट्रीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन करार दिया। ईरान ने चेतावनी दी है कि उसे अपने राष्ट्रीय हितों और सुरक्षा की रक्षा के लिए यूक्रेन के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने का पूरा अधिकार है और तेहरान ऐसा कदम उठाने में जरा भी संकोच नहीं करेगा। वहीं, ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति आयोग के अध्यक्ष इब्राहिम अजीजी ने भी यूक्रेन को इसके गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी है।

जायसवाल

मृतक सागर गुप्ता

मंत्रालय के सामने डॉ. पोलिशचुक

पहले रूके बात की फिर अंदर गए

विदेश मंत्रालय के बाहर यूक्रेन के राजदूत डॉ. ओलेक्सांद्र पोलिशचुक कुछ देर ठहरे वहां मौजूद अधिकारियों से हल्की फुल्की बात की इसके बाद आगे बढ़े और दफ्तर में अंदर गए जहां इस मसले पर उनसे बातचीत की गई और घटना पर चिंता व्यक्त की गई।

यूक्रेन ने जयशंकर को लिखी थी चिट्ठी, कहा- हमने पहले आगाह किया था

काला सागर में भारतीय नाविकों पर हमलों को लेकर यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने विदेश मंत्री एस जयशंकर को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने अपनी चिट्ठी में काला सागर में मारे गए भारतीय नाविकों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। यूक्रेन ने इन हमलों का आरोप रूस पर लगाया है। बयान के अनुसार, भारत में यूक्रेन के दूतावास ने कहा है कि उसका दृढ़ विश्वास है कि रूस की आक्रामक कार्रवाइयों के कारण काला सागर और आजोव सागर में नागरिक जहाजों की आवाजाही पर मंडरा रहे खतरों और जोखिमों को क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति से जुड़ी किसी भी एहतियाती चेतावनी पर तत्काल प्रतिक्रिया देकर कम किया जा सकता है। दूतावास ने कहा कि युद्ध के दौरान यूक्रेन लगातार अपने अंतरराष्ट्रीय साझेदारों, जिनमें भारत के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं, को रूस की कार्रवाइयों से नागरिक नौवहन पर बढ़ते खतरों के बारे में आगाह करता रहा है।

जयशंकर

यूक्रेन ने अपने साझेदार देशों को उन कदमों की भी जानकारी दी है, जो वह सैन्य सामान की आपूर्ति रोकने और यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध को समर्थन देने वाली लॉजिस्टिक आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित करने के लिए उठा रहा है। दूतावास ने कहा कि इन चिंताओं को अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) के मंच पर भी औपचारिक रूप से उठाया गया है। इसके तहत 12 जून और 26 जून 2026 को जारी आईएमओ सर्कुलर लेटर्स के माध्यम से सदस्य देशों को अवगत कराया गया।

पहले बात की, फिर मार दी गोली

कनाडा में टारगेट अटैक में हुई भारतीय मूल की युवती की हत्या

एजेंसी ▶▶ टोरंटो

कनाडा के टोरंटो में भारतीय मूल की 26 वर्षीय युवती की हत्या कर दी गई। पुलिस का कहना है कि यह एक टारगेटेड हमला था। मृतक की पहचान नवनीत कौर के रूप में हुई है। उसे हम्बरवुड बुलेवार्ड और रेक्सडेल बुलेवार्ड के पास गोली मारी गई। उसे तुरंत मेडिकल मदद दी गई लेकिन मौके पर ही मृत घोषित कर दिया गया। टोरंटो पुलिस ने कौर की हत्या के मामले में ब्रैम्पटन के एक 37 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

संदिग्ध की पहचान शरणजीत सिंह के तौर पर हुई है। उस पर फर्स्ट-डिग्री मर्डर और अंडरटेकिंग का पालन न करने का आरोप लगाया गया है। टोरंटो पुलिस ने बताया कि शुक्रवार सुबह करीब 7:23 बजे (ईएसटी) उन्हें गोली चलने की सूचना मिली, जिसके बाद उनके अधिकारी मौके पर पहुंचे और उन्हें कौर गोली लगी हालत में मिली। सीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने बताया कि उसे तुरंत मेडिकल मदद दी गई और जान बचाने की कोशिशें भी की गईं लेकिन मौके पर ही मृत घोषित कर दिया गया। ड्यूटी इंस्पेक्टर स्कॉट ब्रैडबरी ने मीडिया को बताया कि गोलीबारी किसी घर में नहीं बल्कि बाहर सार्वजनिक जगह पर हुई। अधिकारी ने बताया कि एक पुरुष संदिग्ध को घटनास्थल से भागते हुए देखा गया।

मृतक नवनीत कौर

आरोपी ने पहले महिला का पीछा किया

एक चश्मदीद ने बताया कि वे बाहर सुबह की कॉफी पी रहे थे तभी उन्होंने पीड़ित महिला को हम्बरवुड पर पूरब की ओर जाते देखा। फिर उन्होंने एक आदमी को उस महिला के पीछे-पीछे जाते देखा।गवाह ने बताया कि संदिग्ध ने पीड़िता से कुछ कहा, जिससे वह पीछे मुड़ी। थोड़ी बातचीत के बाद उस आदमी ने उसे एक गोली मारी और फिर बंदूक लेकर भाग गया। ऐसा नहीं लग रहा था कि वे दोनों व्यक्ति बहस कर रहे थे। पुलिस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उन्हें लगता है कि कौर की हत्या एक टारगेटेड हमला थी और अब कोई संदिग्ध नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि गोली मारने के पीछे की वजह अभी साफ नहीं है और पुलिस की होमिसाइड टीम अब इस मामले की जांच कर रही है।

भारतीय छात्रों के वर्क परमिट रिजेक्शन का मामला

अब आईआरसीसी ने दिया स्पष्टीकरण कहा नियम तोड़े तो होगी सख्त से सख्त कार्रवाई

पढ़ाई के दौरान हफ्ते में 24 घंटे ही काम करने की अनुमति

एजेंसी ▶▶ ओटावा

कनाडा में भारतीय छात्रों के वर्क

परमिट रिजेक्ट होने के मामलों के बीच इमिग्रेशन, रिफ्यूजीज एंड सिटिजनशिप कनाडा (आईआरसीसी) ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण जारी किया है। आईआरसीसी ने सख्त लहजे में चेतावनी दी है कि पढ़ाई के दौरान कार्य नियमों का उल्लंघन करने पर छात्रों को गंभीर परिणामों का सामना करना पड़ सकता है। सोशल

मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के जरिए जारी बयान में इमिग्रेशन अथॉरिटी ने

स्पष्ट किया कि छात्रों को केवल उनके स्टडी परमिट में तय शर्तों के आधार पर ही काम करने की अनुमति है। वर्तमान नियमों के अनुसार, पढ़ाई के दौरान छात्र हफ्ते में अधिकतम 24 घंटे ही काम कर सकते हैं। अथॉरिटी ने कहा कि बिना आधिकारिक अनुमति के पार्ट-टाइम काम करना भी इमिग्रेशन कानूनों का उल्लंघन माना जाएगा। आईआरसीसी ने साफ किया कि

नियमों की अनदेखी करने पर भविष्य में वर्क परमिट रद्द किया जा सकता है, कनाडा में प्रवेश के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है या देश से बाहर भी निकाला जा सकता है।

यह विवाद तब गहराया जब

कैलगरी स्थित पाटंज कॉलेज के कई भारतीय छात्रों के वर्क परमिट खारिज हो गए, जिसके बाद छात्रों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस पर कॉलेज ने छात्रों को कानूनी सलाह लेने की सिफारिश की है और कहा कि वे अथॉरिटी से इस विषय पर लगातार संपर्क में हैं। आईआरसीसी ने सभी विदेशी छात्रों से केवल आधिकारिक गाइडलाइंस का पालन करने की अपील की है।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०/अ-20(3)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिकागण अनिता अग्रवाल पत्नी शंकरलाल अग्रवाल, श्रीमती सुमन अग्रवाल पत्नी पवन कुमार अग्रवाल, निवासी मेन रोड राजपुर, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज छ०ग० के द्वारा शीट नम्बर-09 मोहल्ला बाबूपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3467/4866/224 रकबा 4160 वर्गफीट भूमि को बैंक में बंधक रखकर ऋण प्राप्त करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र मय मॅन्टनेश खसरा की प्रतिलिपि सहित पेश किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-10/08/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांक 24/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती अनिता अग्रवाल आ०/पति शंकर लाल अग्रवाल जाति, निवासी मेन रोड़ राजपुर, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला बाबूपारा, शीट नम्बर 9 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3467/4866/337 रकबा 1280 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3. 2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 07.08.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 24.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती अनिता अग्रवाल आ०/पति शंकर लाल अग्रवाल व 01 अन्य जाति निवासी मेन रोड़ राजपुर, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला बाबूपारा, शीट नम्बर-9 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3467/4866/224 रकबा 4160 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक - 07.08.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 24.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र० //अ-20 (3)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका अनिता अग्रवाल पत्नी शंकरलाल अग्रवाल, निवासी मेन रोड़ राजपुर, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज छ०ग० के द्वारा शीट नम्बर-09 मोहल्ला बाबूपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3467/4866/337 रकबा 1280 वर्गफीट भूमि को बैंक में बंधक रखकर ऋण प्राप्त करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र मय मॅन्टनेश खसरा की प्रतिलिपि सहित पेश किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 10.08.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांक 24.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०/अ-20 (3)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका अनिता अग्रवाल पत्नी शंकरलाल अग्रवाल, निवासी मेन रोड़ राजपुर, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज छ०ग० के द्वारा शीट नम्बर-09 मोहल्ला बाबूपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3467/4866/337 रकबा 1280 वर्गफीट भूमि को बैंक में बंधक रखकर ऋण प्राप्त करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र मय मॅन्टनेश खसरा की प्रतिलिपि सहित पेश किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 10/08/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांक 24/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

कार्यालय शा० हाई स्कूल बुंदिया विकास खंड भैयाथान जिला सूरजपुर (छ.ग.)
क्रमांक /400/स्था०/ विज्ञापन / 2026-27 दिनांक 28/07/2026
नीलामी सूचना

आमजनो को सूचित किया जाता है कि शा० हाई स्कूल बुंदिया में टूटा एवं पुराना डेस्क, बेंच, आलमारी, कुर्सी, टेबल जो विद्यालय के उपयोग के लायक नहीं है। जिसका नीलामी हेतु समाचार पत्र के माध्यम में प्रकाशित किया जाता है कि नीलामी में शामिल होने के लिए दिनांक 28.07.2026 से 30.07.2026 तक इच्छुक

सम्बंधित फर्म अपना जानकारी दे देवें। उक्त सभी सामग्री की नीलामी 30.07.2026 दिन शुक्रवार को किया जाएगा।

प्रिंसफल
शा० हाई स्कूल बुंदिया
विकास खंड भैयाथान
जिला सूरजपुर (छ.ग.)

शिवशक्ति सेवा फाउंडेशन एवं श्री साई श्रद्धा प्रतिष्ठान ने किया निःशुल्क व्हीलचेयर वितरण

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के जन्मदिन के उपलक्ष्य में रविवार को असल्फा स्थित शिवशक्ति सेवा फाउंडेशन एवं श्री साई श्रद्धा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्वावधान में दिव्यांगजनों के लिए निःशुल्क व्हीलचेयर वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य के माध्यम से जरूरतमंद दिव्यांगजनों को व्हीलचेयर प्रदान कर उनके जीवन को अधिक सुगम, सम्मानजनक और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई।

वसई विरार के सड़कों पर हुए खड्डों के कारण वाहन चालक परेशान

विरार। मानसून की बारिश के बाद वसई-विरार और नालासोपारा की सड़कों की बदहाल स्थिति ने एक बार फिर विकास कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। करोड़ों रुपये खर्च कर कराए गए डामरीकरण और पैचवर्क के बावजूद शहर की कई प्रमुख सड़कें उखड़ चुकी हैं

राज गैस एजेंसी के वरिष्ठ कर्मचारी अच्छेलाल गौतम का निधन

परतावल/ महराजगंज, महाराजगंज जनपद के नगर पंचायत परतावल वार्ड संख्या 10 निवासी और राज गैस एजेंसी के वरिष्ठ कर्मचारी अच्छेलाल गौतम का रविवार सुबह आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। अच्छेलाल गौतम पिछले 15 वर्षों से अधिक समय से राज गैस एजेंसी से जुड़े थे। अपनी ईमानदारी, मृदु व्यवहार और सेवा भाव के कारण वे एजेंसी के ग्राहकों के साथ-साथ पूरे क्षेत्र में काफी लोकप्रिय थे। हर ग्राहक को वह परिवार की तरह सम्मान देते थे, इसी वजह से लोग उन्हें बेहद अपनत्व से याद करते हैं। निधन की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग उनके आवास पहुंचे और परिजनों को ढांढस बंधाया। एजेंसी के साथी कर्मचारियों, ग्राहकों और क्षेत्रवासियों ने उनके साथ बिताए पलों को याद कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर जिला सरगुजा छ०ग०
ईश्तहार

लखनपुर दिनांक 15.07.2026

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम पर्री को सूचित किया जाता है कि आवेदक कैलाश चौहान आ.स्व.श्री प्रभूराम चौहान निवासी ग्राम पर्री के द्वारा अपने पिता स्व.श्री प्रभूराम चौहान की मृत्यु दिनांक 09.06.2009 को मृत्यु होना बताते हुए जन्म/मृत्यु रजिस्टीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13 (3) एवं छ.ग. जन्म मृत्यु रजि. नियम 2001 के नियम 9 नियत (3) के तहत मृत्यु प्रमाण पत्र हेतू आवेदक इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है जिस पर दिनांक 30/07/2026 को सुनवाई की जानी है। आवेदक के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र में किसी को कोई आपत्ति हो तो वो न्यायालय की पेशी 30/07/2026 तक अपना दावा / आपत्ति पेश कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

तहसीलदार
लखनपुर जिला सरगुजा छ०ग०

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती भगवती देवी आ०/पति सुरेश कुमार अग्रवाल व 01 अन्य जाति निवासी ब्रम्ह रोड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला देवीगंज रोड़, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1165/10 रकबा 286 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 07.08.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 24.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका श्रीमती भगवती देवी आ०/पति सुरेश कुमार अग्रवाल जाति, निवासी ब्रम्ह रोड़ अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-पोस्ट ऑफिस रोड़, शीट नम्बर-2 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 4011/15 रकबा 0.05 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक / आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक - 07.08.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 24.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार पटना, जिला-कोरिया छ०ग०
रा०प्र०कं० ब-121/2026-27
ईश्तहार

एतद्व द्वारा समस्त ग्रामीण जनता ग्राम बुडार को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका रामभूषण मिश्रा आ०/ पति स्व चंद्रकांत मिश्रा जाति निवासी ग्राम बुडार थाना पटना तहसील पटना जिला-कोरिया के द्वारा आवेदन पत्र पेश कर निवेदन किया है कि मेरे पुत्र / विवेक मिश्रा के लिये आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के संबंधी (EWS प्रमाण पत्र) आय प्रमाण पत्र प्रदाय किया जावे। आवेदन पत्र के साथ आय प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, शपथ पत्र, अकसूची बी-1 की छायाप्रति संलग्न किया है। अतः जिस किसी हितबद्ध पक्षकार को उक्त प्रमाण पत्र जारी करने से कोई आपत्ति हो तो वह अपना आपत्ति स्वयं अथवा अपने / / 2026 तक उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है, नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। अभिभावक के माध्यम से दिनांक तनुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। आज दिनांक / / 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
पटना, जिला-कोरिया छ०ग०

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्यामलाल मोटवानी आ०/पति स्व० बृजलाल मोटवानी जातिं निवासी कम्पनी बाजार अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-कम्पनी बाजार, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1376/2 रकबा 448 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक - 05/08/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 20/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक लालती शुक्ला पत्नी मिथलेश शुक्ला जाति ब्राम्हण निवासी केनाबांध शिकारी रोड अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 5004/20 रकबा 0.011 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो में पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 27.05.2013 के माध्यम से नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक - 05.08.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 21.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 15 जनवरी 2026
प्रारूप (एक)
समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं राशन लकदा (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी रामनिवाश लकडागाँव/शहर ईला किलकिला, तहसील-पत्थगाँव, जिला जशपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम राशन लकदा (पुराना नाम) से बदल कर रोशन लकडा (नया नाम) रख लिया है। मैं रामनिवाश लकडा (माता/ पिता/पालक का नाम) सुपुत्र/सुपुत्री- एतबाल लकडा. गाँव/शहर ईला किलकिला, तहसील-पत्थगाँव, जिला जशपुर छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र/सुपुत्री का नाम राशन लकदा (पुराना नाम) से बदल कर रोशन लकडा (नया नाम) रख लिया है।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)
रा.प्र.क्र./20(1)/2025-26
ईष्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती देवमनिया आ./पति तपेष्वर लाल जाति तेली, निवासी बिलासपुर रोड, लक्ष्मीपुर, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ.ग. के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-दरीर्पारा, शीट नंबर- 10, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नंबर 3863 रकबा 0.02 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.03.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 05.08.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकत है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 21.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

हेल्थ टिप्स

मसल्स वाली बॉडी बनाना मुश्किल नहीं, बस ठान लीजिए

जिम जाकर खुद को फिट और बॉडी को बेहतरीन शेप देने की कोशिश कर रहे पुरुष सिर्फ हां में ही जवाब देंगे। लेकिन कितने पुरुषों को इसका सही तरीका पता है? हो सकता है सबको सही तरीका पता हो, लेकिन इसके साथ किन गलतियों को करने से बचना है, वो न पता हो। जी हां अक्सर पुरुष मसल्स ग्रोथ करने की कोशिश में कुछ गलतियां कर बैठते हैं।

ये वो गलतियां हैं जो आपकी घंटों की मेहनत को बेकार कर देती हैं। ये आपके मसल्स ग्रोथ को बेहतर होने ही नहीं देती हैं। हो सकता है आप भी जिम में पसीना बहाते हुए ऐसी ही गलतियां कर रहे हों। इन गलतियों को पहचान लीजिए और मसल्स ग्रोथ को बढ़ा लीजिए।

लिफ्ट हों धीमे-धीमे

अक्सर कई पुरुष सोचते हैं कि बड़े मसल्स के लिए आपको भारी वजन जल्दी-जल्दी उठाना जरूरी होगा। लेकिन ऐसा नहीं है। आप भारी वजन उठाइए लेकिन धीरे-धीरे।

दरअसल धीरे-धीरे किए गए रैप्स के साथ किसी खास मसल्स पर फोकस करना आसान हो जाता है। धीमे रैप्स के साथ मसल्स को उनके मोशन के फुल रेंज तक ले जाया जा सकता है। इसके साथ ग्रोथ और बेहतर और एक सी होती है

भारी वजन के ज्यादा रैप्स

याद रखिए, आप अगर आपको मसल्स ग्रोथ बढ़ानी है तो भरी वजन उठाने के साथ इसके रैप्स भी ज्यादा करने की कोशिश करनी

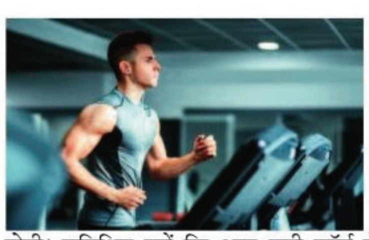

होगी। सुनिश्चित करें कि आप सही फॉर्म में वजन उठाएं। अगर आपको लग रहा है कि आप एक्सरसाइज का मोशन पूरा नहीं कर पाएंगे तो हल्का वजन ही उठाएं लेकिन एक्सरसाइज पूरी करें। लेकिन ये बात भी सही है कि ज्यादा वजन उठाने पर रैप्स ज्यादा नहीं हो पाते हैं। हालांकि आप भारी वजन के साथ 8 से 10 रैप्स ले सकते हैं। इसलिए इतना करने की तो कोशिश करें हीं।

रिकवरी है जरूरी

याद रखिए, मसल्स ग्रोथ तब नहीं होती है जब आप जिम में मेहनत कर रहे होते हैं बल्कि ये तब होती है, जब मसल्स आराम कर रही होती हैं। किसी खास मसल्स ग्रुप की एक्सरसाइज करने के बाद इसे कम से कम 48 घंटे का आराम मिलना चाहिए। तब ये आसानी से रिकवर और ग्रो कर पाती हैं।

इसके लिए टाइम टेबल बनाएं, जिसमें किसी खास मसल्स ग्रुप के लिए अलग-अलग दिन निश्चित किए गए हों। जैसे आपने सोमवार को लेग डे सुनिश्चित किया है तो अगली बार ये एक्सरसाइज गुरुवार को ही करें।

एक ही मोशन की आदत है गलत

आपकी मसल्स को अगर एक ही तरह की एक्सरसाइज कराई जाती रहेगी तो इसको इसकी आदत पड़ जाएगी। इस आदत के चलते मसल्स ग्रोथ कम होने लगेगी।

इसलिए जरूरी है कि आप मशीनों में हर कुछ दिन में बदलाव करते रहें। या फिर रैप्स की स्पीड और संख्या में भी बदलाव किए जा सकते हैं।

ज्यादा कार्डियो धीमी मसल्स ग्रोथ

कार्डियो एक्सरसाइज जरूरी तो हैं लेकिन

इनको सीमा से ज्यादा कर लेना भी सही नहीं है। ऐसा करने पर मसल्स ग्रोथ काफी धीमी हो जाती है। इसलिए अगर आप मसल्स ग्रोथ बढ़ाना चाहते हैं तो आपको एरोबिक एक्सरसाइज पर ज्यादा ध्यान देना होगा। कार्डियो एक्सरसाइज को हर हफ्ते 75 मिनट तक ही करें। 150 मिनट तक मॉडरेट एक्सरसाइज भी की जा सकती है।

प्रोटीन का इंटेक

अगर आपको मसल्स ग्रोथ बढ़ाना है तो आपको कैलोरी और प्रोटीन की मात्रा खाने में बढ़ानी होगी। प्रोटीन मसल्स्स के डेवलपमेंट में सबसे जरूरी होता है। प्रोटीन के बिना मसल्स का निर्माण नहीं हो पाता है। इसके साथ प्रोटीन मसल्स की मरम्मत में भी बड़ा रोल निभाता है।

मांसपेशियों के सही निर्माण के लिए अपने वजन के प्रति किलो के हिसाब से कम से कम 2 ग्राम प्रोटीन का इंटेक करना चाहिए। जैसे आपका वजन 60 किलो है तो आपको 120 किलो प्रोटीन का इंटेक करना ही होगा।

महिलाओं की सेहत में संतुलित आहार का महत्वपूर्ण योगदान

महिलाओं के आहार में जरूर होने चाहिए तीन पोषक तत्व, कई बीमारियों से मिलेगी सुरक्षा

महिलाओं की अच्छी सेहत के लिए संतुलित आहार का महत्वपूर्ण योगदान होता है। सही और पौष्टिक आहार न केवल ऊर्जा प्रदान करते हैं बल्कि महिलाओं को उनके विभिन्न जीवन चरणों (जैसे मासिक धर्म, गर्भावस्था, स्तनपान और रजोनिवृत्ति) के दौरान बीमारियों से बचाए रखने में भी मदद करते हैं।

अच्छी सेहत के लिए स्वस्थ और पौष्टिक आहार का सेवन बहुत आवश्यक माना जाता है। जब बात महिलाओं के सेहत की हो तो ये और भी आवश्यक हो जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, महिलाओं में मासिक धर्म चक्र आदि के कारण आयरन की कमी और एनिमिया का खतरा अधिक रहता है। इसके अलावा हार्मोनल परिवर्तन के कारण हड्डियों, डायबिटीज और हृदय स्वास्थ्य की समस्याएं भी अधिक देखी जाती हैं। इन सभी बीमारियों के जोखिम को कम करने के लिए कम उम्र से ही खान-पान में सुधार करना बहुत आवश्यक हो जाता है।

महिलाओं की अच्छी सेहत के लिए संतुलित आहार का महत्वपूर्ण योगदान होता है। सही और पौष्टिक आहार न केवल ऊर्जा प्रदान करते हैं बल्कि महिलाओं को उनके विभिन्न जीवन चरणों (जैसे मासिक धर्म, गर्भावस्था, स्तनपान और रजोनिवृत्ति) के दौरान बीमारियों से बचाए रखने में भी मदद करते हैं। महिलाओं को स्वस्थ रहने के लिए कुछ खास विटामिन्स, खनिजों और पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है।

अच्छी सेहत के लिए खान-पान रखें ठीक

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, महिलाओं को अपने आहार में पोषक तत्वों से भरपूर चीजों को जरूर शामिल करना चाहिए जिससे शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की सेहत को ठीक रखा जा सके। अच्छी सेहत के लिए पौष्टिक आहार के सेवन के साथ नियमित व्यायाम और पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहना भी जरूरी है।

20 की उम्र से ही दैनिक आहार में कुछ पोषक तत्वों को जरूर शामिल करें। आइए जानते हैं कि आपकी अच्छी सेहत के लिए कौन-कौन से पोषक तत्व सबसे जरूरी हैं।

कैल्शियम वाली चीजें खाएं

कैल्शियम आपकी हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। खासकर, रजोनिवृत्ति के बाद महिलाओं में हड्डियों का घनत्व कम होने लग जाता है जिससे गठिया-ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा बढ़ता है। आहार में कैल्शियम वाली चीजों को शामिल करना आपकी अच्छी सेहत के लिए बहुत जरूरी है।

कैल्शियम से भरपूर आहार मांसपेशियों और तंत्रिका तंत्र को ठीक रखने में भी मदद करते हैं। कैल्शियम के लिए दूध, दही और पनीर, हरी पत्तेदार सब्जियां (जैसे पालक, मेथी, बथुआ) और बादाम आदि का सेवन करें।

एनीमिया से बचने के लिए जरूरी है आयरन

आयरन महिलाओं के लिए खासतौर पर जरूरी है क्योंकि मासिक धर्म के दौरान शरीर में आयरन की कमी हो सकती है। आयरन की कमी से एनीमिया होने का खतरा रहता है। आयरन हमारे शरीर में हीमोग्लोबिन बनाने में मदद करता है जिसकी मदद से सभी अंगों तक ऑक्सीजन पहुंचता है। जिन लोगों में आयरन की कमी होती है उन्हें थकान और कमजोरी सहित कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। आयरन की कमी को दूर करने के

लिए हरी सब्जियां (जैसे ब्रोकली, पालक), अनार, चुकंदर और सेब जैसे फल, मांस और मछली के साथ नट्स का सेवन करें।

फोलिक एसिड बहुत जरूरी

फोलिक एसिड गर्भवती महिलाओं के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भ्रूण के विकास और न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट्स को रोकने में मदद करता है। फोलिक एसिड नए रक्त कोशिकाओं का निर्माण भी करता है। ये बच्चे में मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी के विकास के लिए जरूरी है। महिलाओं में हार्मोनल संतुलन बनाए रखने और कमजोरी दूर करने के लिए ये पोषक तत्व महत्वपूर्ण है।

फोलिक एसिड प्राप्त करने के लिए संतरे, केले जैसे फल और हरी पत्तेदार सब्जियां खाएं। दालें और बीन्स के साथ अंडे और मछली को भी आहार का हिस्सा जरूर बनाएं।

ईस्टर्न स्लैम स्क्वैश चैंपियनशिप में सेमीफाइनल मुकाबलों का रोमांच छाया

रायपुर। ईस्टर्न स्लैम (एएसएफ सिल्वर स्टेटस – 5 स्टार इवेंट) के पांचवें दिन सेमीफाइनल एवं प्लेसमेंट मुकाबले खेले गए। कई मुकाबले पांच गेम तक चले, जिन्होंने दर्शकों को अंत तक रोमांचित रखा।

इन परिणामों में बालिका अंडर-11 (सेमीफाइनल) समीक्षा सुगुमार [1] (कर्नाटक) ने इनाया अंद्राबी [5/8] (राजस्थान) को 11-9, 11-8, 11-3 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।गौरवी अजमेरा [2] (राजस्थान) ने अविशा अग्रवाल [3/4] (जम्मू-कश्मीर) को 11-3, 10-12, 11-9, 11-9 से पराजित कर फाइनल में स्थान बनाया। बालक अंडर-11 (सेमीफाइनल) रुद्रांश प्रभाकर [3/4] (दिल्ली) ने विराज वाधवानी [2] (महाराष्ट्र) को 11-3, 11-8, 11-6 से हराया। युवान वर्मा [5/8] (राजस्थान) ने शीर्ष वरीय अगस्त्य उप्पल [1] (दिल्ली) को 14-12, 6-11, 11-4, 12-10 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। बालिका अंडर-17 (सेमीफाइनल)सान्वी कलंकी [1] (मध्य प्रदेश) ने फाबिहा नफीस [5/8] (उत्तर प्रदेश) को 11-7, 11-3, 11-5 से हराया।

आद्या बुधिया [2] (जम्मू-कश्मीर) ने वसुंधरा नांगरे [3/4] (महाराष्ट्र) को 11-4, 12-10, 12-10 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। बालक अंडर-17 (सेमीफाइनल) आर्यमान सिंह [5/8] (कर्नाटक) ने हर्षल राणा [2] (हरियाणा) को रोमांचक पांच गेमों के मुकाबले में 11-8, 11-7, 10-12, 9-11, 11-6 से हराया। श्रेयांश झा [1] (महाराष्ट्र) एवं शिवेन अग्रवाल [5/8] (तमिलनाडु) के मुकाबले का परिणाम प्रतीक्षित है। बालिका अंडर-19 (सेमीफाइनल) उन्नति त्रिपाठी [1] (उत्तर प्रदेश) ने दिवा शाह (महाराष्ट्र) को 11-6, 11-6, 11-8 से हराया। देवाश्री अरोड़ा (हरियाणा) ने व्योमिका खंडेलवाल [2] (तमिलनाडु) को 11-8, 11-4, 9-11, 11-7 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। बालक अंडर-19 (सेमीफाइनल) युशा नफीस [1] (उत्तर प्रदेश) ने जिनांश जैन (छत्तीसगढ़) को 11-3, 11-2, 11-2 से पराजित किया।सुभाष चौधरी [2] (राजस्थान) ने अर्जुन मोरे [3/4] (महाराष्ट्र) को 11-6, 11-9, 7-11, 11-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

प्लेसमेंट मुकाबलों के प्रमुख परिणाम

बालिका अंडर-11: अवनि नंदल (हरियाणा) ने साइना यादव (हरियाणा) को तथा अमृथा कुंडावे (गोवा) ने अनाइशा साहू (जम्मू-कश्मीर) को हराया। बालक अंडर-11: कंधा स्वामी (तमिलनाडु) ने आरुष सरकार (हरियाणा) को तथा आयांश कोल्टे (महाराष्ट्र) ने वंश राठी (तमिलनाडु) को पांच गेमों के रोमांचक मुकाबले में पराजित किया।बालिका अंडर-17: आरिका मिश्रा (महाराष्ट्र) एवं ब्रिया शर्मा (जम्मू-कश्मीर) ने अपने-अपने मुकाबले जीते। बालक अंडर-17: साविर सूद (चंडीगढ़) ने मिहिर बोपाना (तमिलनाडु) को पांच गेमों में हराया, जबकि छत्तीसगढ़ के रेयांश कुलश्रेष्ठ ने सहर्ष शाहरा (मध्य प्रदेश) के रिटायर्ड होने पर जीत दर्ज की।

बालिका अंडर-19: साहाना कलैवानन (तमिलनाडु) और छवि सारण (राजस्थान) विजयी रहीं। बालक अंडर-19: युवादित्य जैन (दिल्ली) एवं मेय्यप्पन पी (तमिलनाडु) ने अपने मुकाबले जीते। बालिका अंडर-13: शारण्या ठाकुर (मध्य प्रदेश) और सनावी तिडके (कर्नाटक) विजयी रहीं। सनावी ने 19-17 के रोमांचक गेम के साथ मुकाबला अपने नाम किया। बालक अंडर-13: निर्वाण पारिख (महाराष्ट्र) ने दो गेम से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की, जबकि विहान चांदहोक (दिल्ली) भी विजयी रहे। बालिका अंडर-15: नंदिकाश्री कलैवानन (तमिलनाडु) एवं मोनोश्री राउत (असम) ने अपने मुकाबले जीते।

सीयू परिसर की कानूनी ईंटें

मामला जितना बड़ा बनता गया, उतना था नहीं। अंततः माननीय हाई कोर्ट सीयू के जदरांगल परिसर की ईंटें गिन रहा है। बेशक इस बीच देहरा परिसर में सेवा विस्तार लेकर बैठे कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल को भरोसा है कि विश्वविद्यालय का श्रीगणेश वहां से हो जाएगा। बेशक देहरा परिसर की रफ्तार में केंद्रीय विश्वविद्यालय, अखंड साम्राज्य का द्योतक बन रहा है, लेकिन जदरांगल ने अपने निर्माण की कानूनी रेत बजरी तैयार कर रखी है। शुक्रवार को निर्देश कड़े, तीखे व निर्माण केंद्रित हैं, इसलिए अब कानूनी नकेल औपचारिकताओं की सुस्ती पर कसी जा रही है। धर्मशाला के नार्थ कैंपस की दास्तान पहली बार अपना दुखड़ा कोर्ट में नहीं बता रही, बल्कि इस अभियान की शुरूआत धूमल-जयराम सरकारों में भी ईमानदार नहीं रही। यह ऐसा पहला मामला है, जहां राजनीति स्वयं पार्टी बन कर गुमराह करती रही। पूर्व मंत्री रविंद्र सिंह रवि के बयान तब धर्मशाला को यह कह कर आहत करते रहे कि यह स्थल किसी भी निर्माण के योग्य नहीं। सिर्फ धर्मशाला की भौगोलिक परिस्थिति भूकंपीय जोन तथा वन संरक्षण अधिनियम के सख्त पहरे में रही, नतीजतन सारी प्रयोगशालाएं और नियमावलियां जदरांगल के सपनों को तोड़ती मरोड़ती रहीं। अब आखिरी कील लिए जदरांगल परिसर हाई कोर्ट में अपने घाव दिखा रहा है, तो माननीय अदालत ने वन संरक्षण अधिनियम के तहत 30 करोड़ जमा कराने की सुस्ती पर कड़ा संज्ञान लिया है।

कानून के सामने सब्र और परिसर की कब्र का मामला है। सत्ता संस्थान ने जिस गतिशीलता, प्राथमिकता और पैरवी से देहरा के आधे परिसर पर पूरा निर्माण किया है, वहां जदरांगल परिसर लावारिस, लाचार और बेबस दिखाई देता है। अब यही परिस्थिति कानून की छत्रछाया में अपनी बेडि ?ां दिखा रही है, तो शिक्षा सचिव के लिए इस बार कड़ा सबक आया है। तीस करोड़ अगर 2023 तक जमा हो गए होते, तो केंद्र से उपलब्ध धन से यह परिसर भी परवान चढ़ चुका होता। आश्चर्य यह कि राजनीति ने तथाकथित शीतकालीन राजधानी के साथ खिलवाड़ किया। धर्मशाला में आजादी से काफी पहले ही श्रेष्ठ चिकित्सा व शिक्षा के संस्थान थे, लेकिन आधुनिक हिमाचल ने न यहां मेडिकल कालेज और न ही विश्वविद्यालय बनने दिया। शिमला विश्वविद्यालय का एकमात्र अध्ययन केंद्र होने तथा विभिन्न विषयों की सबसे अधिक अकादमियां होने के बावजूद केंद्रीय विश्वविद्यालय की दौड़ में हार गया। प्रदेश का एकमात्र कालेज जो सौ साल पूरे करके इस शहर के शिक्षा इतिहास का परचम फहरा रहा है, उसके कक्ष से विश्वविद्यालय छीना जा रहा है। उम्मीद है कि उच्च न्यायालय इस विषय की गंभीरता को देखते हुए ऐसा अंतिम फैसला सुनाएगा ताकि राजनीति शिक्षा क्षेत्र में अपनी हद से बाहर न जा पाए। माननीय अदालत ने अब इस विषय पर सरकार को ठोस कार्रवाई का समय देते हुए सात सितंबर तक तस्वीर साफ करने को कहा है, वरना शिक्षा सचिव को अदालत में आकर मंशा और मजबून को समझाते हुए सरकार की रक्षा करनी पड़ेगी। धर्मशाला में केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर हालांकि छात्रों-प्राध्यापकों की पहली पसंद रही है, फिर भी इसकी अंगुली पकड़ रही राजनीति के अपने पूर्वाग्रह रहे हैं और जो गाहे बगाहे प्रदर्शित व साबित होते रहे हैं। किसी भी इमारत से संस्थान नहीं बनते, इसलिए केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा के लिए धर्मशाला परिसर को राजनीति के पिंजरे से मुक्ति चाहिए। कुल मिला कर अब गेंद सरकार के पाले में है और इस संबंध में मार्गदर्शक व ऐतिहासिक फैसले का इंतजार है।

चैंपियन चानू की तिकड़ी

आज एक चैंपियन बेटी और चैंपियन की दहलीज पर खड़े बेटे की खेल-सफलताओं को सलाम करेंगे, जो मणिपुर जैसे हिंसाग्रस्त और जातीय तनाव से दपदपाते राज्य से आते हैं। बेटी मीराबाई चानू विश्व विख्यात भारोत्तोलक हैं। उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों के 96 साल के इतिहास में एक नया मील-पत्थर स्थापित किया है, जब उन्होंने लगातार तीसरी बार (2018, 2022, अब 2026) स्वर्ण पदक जीता है। यह संयोग ही है कि तीनों बार भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक चानू बेटी ने ही जीता है। यकीनन मां भारती उल्लास और गर्व से डबडबा रही होंगी, क्योंकि जन गण मन की धुन सुनते और तिरंगे के सम्मान को देख कर बेटी चानू की आंखें भी भर आई थीं। ऐसा कीर्तिमान रचने वाली चानू अपने भार-वर्ग में विश्व की प्रथम महिला भारोत्तोलक हैं। मणिपुर के ही ऋषिकांत सिंह ने भी 60 किग्रा. भार-वर्ग में राष्ट्रमंडल खेलों का रजत पदक जीता और यकीनन भारत को गौरवान्वित किया। उन्होंने कुल 264 किलो वजन उठाया। यदि उनके घुटने में कोई दिक्कत न होती और उन्हें संघर्ष नहीं करना पड़ता, तो वह भी स्वर्णिम चैंपियन होते!

कार्नर न्यूज

पेट की गड़बड़ी का सीधा संबंध है आपके आचार-विचार का

अक्सर बनी रहती है कब्ज-पाचन की दिक्कत तो कहीं ज्यादा तनाव तो नहीं ले रहे हैं आप

आहार में गड़बड़ी के कारण पाचन की समस्या जैसे कब्ज-अपच होना काफी सामान्य है। पर क्या आपको अक्सर ही इस तरह की दिक्कत बनी रहती है? अगर हां तो इस बारे में किसी स्वास्थ्य विशेषज्ञ की सलाह जरूर ले लें। कब्ज की लंबे समय तक बनी रहने वाली दिक्कत कई प्रकार की गंभीर समस्याओं का संकेत हो सकती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, शरीर को स्वस्थ और फिट रखने के लिए आवश्यक है कि आपका पाचन ठीक रहे, इसमें लंबे समय तक बनी रहने वाली किसी भी दिक्कत पर गंभीरता से ध्यान दिया जाना आवश्यक हो जाता है। आइए जानते हैं कि पाचन समस्याओं और कब्ज की दिक्कत के क्या कारण हो सकते हैं, कहीं ये शरीर में किसी गंभीर बीमारी का संकेत तो नहीं है?

आहार से संबंधित समस्याएं

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, पाचन-कब्ज की अधिकतर समस्याएं आहार में गड़बड़ी से संबंधित होती हैं। ज्यादा तैलीय, हाई फैट वाली चीजें कब्ज पैदा कर सकते हैं। डेयरी उत्पाद, अंडे, गरिष्ठ मिठाइयों का अधिक सेवन भी

समस्याकारक माने जाते हैं। यदि आप इन चीजों का सेवन करते हैं तो पाचन को ठीक रखने के लिए अपने भोजन में भरपूर मात्रा में फाइबर युक्त सब्जियां और साबुत अनाज को भी शामिल करें। ये चीजें कब्ज-अपच की दिक्कतों से बचाने में मददगार हो सकती हैं।

कहीं आप भी तो नहीं ले रहे बहुत ज्यादा तनाव?

ज्यादा तनाव और चिंता की समस्या को शरीर में कई प्रकार की दिक्कतों को बढ़ाने वाला पाया गया है। इससे न सिर्फ रक्तचाप और हृदय गति बढ़ सकती है साथ ही अक्सर तनाव की समस्या कब्ज के भी जोखिमों को बढ़ाने वाली हो सकती है। तनाव की स्थिति उन मांसपेशियों को प्रभावित करती है जो आपके शौच जाने के तरीके को नियंत्रित करती हैं। अक्सर बनी रहने वाली मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के कारण गंभीर पाचन की दिक्कतों का खतरा हो सकता है।

कई और गंभीर रोगों का हो सकती है संकेत

कब्ज-पाचन की अक्सर बनी रहने वाली समस्याओं के कई अन्य स्वास्थ्य संबंधी कारण हो सकते हैं। ऐसी स्थितियां जो आपके मस्तिष्क और

रीढ़ को प्रभावित करती हैं- जैसे पार्किंसंस रोग, रीढ़ की हड्डी की क्षति या मस्तिष्क की चोटें भी आपके पाचन को प्रभावित करने वाली हो सकती है। मधुमेह और थायरॉयड ग्रंथि की समस्याएं भी पाचन विकारों का कारण हो सकती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अगर लंबे समय तक आपको कब्ज या पाचन की दिक्कत रहती है तो डॉक्टर की सलाह लेकर जांच जरूर कराएं।

उम्र के साथ होने वाली दिक्कत

डॉक्टर बताते हैं, जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ती है, कब्ज होने की दिक्कत भी अधिक होती जाती है। ऐसा आंशिक रूप से इसलिए होता है क्योंकि आप उम्र बढ़ने पर कम सक्रिय हो सकते हैं और मेटाबॉलिज्म की दिक्कतें भी बढ़ने लग जाती हैं। पाचन की दिक्कतों से दूर रहने के लिए आहार और जीवनशैली में बदलाव के बारे में अपने डॉक्टर की सलाह जरूर लें, जो बुढ़ापे के साथ आपको नियमित रहने में मदद कर सकती हैं।

मदननगर पहुंची कांग्रेस की 8 सदस्यीय जांच समिति, ग्रामीणों से की चर्चा

24 जुलाई के हिंसक घटना की रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस को सौपेगी समिति

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के मदननगर माइंस परियोजना सर्वे के विरोध में चल रहे ग्रामीणों के आंदोलन और 24 जुलाई को ग्रामीणों एवं पुलिस के बीच हुई हिंसक झड़प की जांच के लिए प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा गठित 8 सदस्यीय जांच समिति सोमवार को मदननगर पहुँची। समिति ने प्रभावित ग्रामीणों से विस्तार से चर्चा कर घटना की जानकारी ली तथा मौके की स्थिति का अवलोकन किया। समिति अपनी जांच रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज को सौंपेगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज द्वारा गठित जांच समिति में संयोजक डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम पूर्व कैबिनेट मंत्री सहित जनक राम ध्रुव, भानु प्रताप सिंह, नवीन जायसवाल, शशि सिंह, भगवती राजवाड़े, जितेंद्र दुबे एवं जगतराम आयाम

शामिल हैं। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि मदननगर के ग्रामीण अपनी जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रख रहे थे, लेकिन विष्णु देव साय सरकार ने उनकी आवाज सुनने के बजाय पुलिस बल का सहारा लिया। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सरकार आदिवासी एवं ग्रामीण क्षेत्रों की भावनाओं की अनदेखी कर जबरन खनन परियोजनाओं को आगे बढ़ाना चाहती है, जिससे स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। समिति ने कहा कि लोकतंत्र में जनता की बात सुनना सरकार का दायित्व है, लेकिन वर्तमान सरकार संवाद स्थापित करने के बजाय दमनकारी रवैया अपना रही है। कांग्रेस ने मांग किया कि 24 जुलाई की घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए तथा ग्रामीणों की सहमति के बिना किसी भी प्रकार की खनन प्रक्रिया आगे न बढ़ाई जाए। इस दौरान पारसनाथ राजवाड़े, त्रिभुवन सिंह टेकाम, रामायण गुप्ता, प्रियंकल तिवारी, सुमन्त प्रजापति, रामकुमार बंछोर, नितिन तिर्की, विनय पावले, कृष्ण प्रताप चेरवा, गोल्डी अंसारी, प्रेमसागर तिग्गा, अमर बहादुर सिंह, मंजू मिंज, सविता आयाम, राजू सिंह, भोला यादव, मुकेश गर्ग, अर्बिना अंसारी, खुशी अंसारी, सुनील सारथी, संतोष पावले, राजकुमार सिंह, समीर सिंह, निम्लेश पावले सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

रघुनाथपुर आयुष स्वास्थ्य शिविर में 19 ग्रामीणों का किया गया उपचार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। राष्ट्रीय आयुष कार्यक्रम के अंतर्गत ऑस्टियोआर्थराइटिस एंड मस्कुलोस्केलेटल डिसऑर्डर तथा वयोमित्र योजना के तहत विकासखंड प्रेमनगर के ग्राम रघुनाथपुर में निःशुल्क आयुष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में चिकित्सक डॉ. कीर्ति एवं झूलसिंह कंवर ने अपनी सेवाएं दीं। शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना तथा आमजन, विशेषकर वृद्धजनों को आयुष चिकित्सा पद्धति के प्रति जागरूक करना रहा। शिविर में हड्डी एवं जोड़ों के दर्द, गठिया, मांसपेशियों से संबंधित विकारों तथा वृद्धजन स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित ग्रामीणों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। उपस्थित मरीजों को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान करते हुए आयुष पद्धति के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने हेतु प्रेरित किया गया। इसके साथ ही योग, संतुलित आहार एवं नियमित दिनचर्या के महत्व के संबंध में भी विस्तृत जानकारी दी गई। इस स्वास्थ्य शिविर में कुल 19 मरीजों का उपचार कर उन्हें स्वास्थ्य लाभ हेतु आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

आकाशीय बिजली की चपेट में आया खेत में काम कर रहा युवक, मौके पर मौत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। मंगलवार को झमाझम बारिश के बीच गिरी आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक कृषक की मौत हो गई है। घटना जिला मुख्यालय के समीपस्थ ग्राम नमदगीरी में हुई है। बताया गया है कि नमदगीरी का 35 वर्षीय विनय देवांगन अपने खेत में कृषि कार्य कर रहा था। इसी दौरान अचानक मौसम ने करवट ली और तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिर गई। जिसकी चपेट में आने से विनय देवांगन की मौके पर ही मौत हो गई। युवक की असामयिक मृत्यु से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं पूरे गांव में शोक का वातावरण निर्मित हो गया है।

टीपी नगर में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कोरबा छ.ग. फ्रंटलाइन। सीएसईबी चैकी क्षेत्र से एक दुखद मामला सामने आया है। बरपाली निवासी रोहन उर्फ अमन श्रीवास का शव टीपी नगर स्थित किराए के कमरे में फांसी के फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही सीएसईबी चैकी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार, रोहन उर्फ अमन श्रीवास टीपी नगर के पास किराए के कमरे में रहकर स्टूडियों में कार्य करता था। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि गुरुवार रात करीब 9 बजे उसकी अपने पिता से फोन पर बातचीत हुई थी।

बताया जा रहा है कि इसके बाद देर रात करीब 2.30 बजे उसने दोबारा अपने पिता को फोन किया। इस दौरान वह काफी भावुक था और बातचीत करते हुए रो रहा था। इसके कुछ समय बाद उसका शव कमरे में फांसी के फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना मिलने पर सीएसईबी चैकी पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए परिजनों और परिचितों से पूछताछ कर रही है। कमरे से मिले साक्ष्यों और अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच पूरी होने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।

ओड़गी स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में संग्रहित किया गया 10 यूनिट रक्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कपिल देव पैकरा के मार्गदर्शन तथा खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. विजय चौहान के नेतृत्व में ओड़गी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में

खंड स्तरीय स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें कुल 10 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। शिविर में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. भोलेनाथ राजवाड़े सहित डॉ. अतुलेश एवं डॉ. संदीप ने स्वयं रक्तदान कर अन्य लोगों को प्रेरित किया।इसके साथ ही विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारियों तथा स्थानीय रक्तदाताओं ने भी उत्साहपूर्वक रक्तदान में भागीदारी निभाई। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने कहा कि रक्तदान महादान है और यह एक-दूसरे के जीवन को रोशन करने का सशक्त माध्यम है। यह पूर्णतः स्वैच्छिक प्रक्रिया होने के साथ ही व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है, अतः प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रूप से रक्तदान अवश्य करना चाहिए। शिविर में जिला ब्लड बैंक के अधिकारी-कर्मचारी, बीपीएम सखन आयाम, टीकाकरण सहायक गोपालशरण सिंह, योगेश कुमार पैकरा, एमएलटी श्रीमती अर्चना पैकरा, सीनियर नर्सिंग ऑफिसर एनी मंजू, गायत्री सांडिल्य, कविता सिंह, विनोद पैकरा, बसंत, दिलबरन, श्रीमती गीता सारथी सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

नशामुक्त भारत अभियान : विभिन्न प्रतियोगिताओं के साथ हुआ जिला स्तरीय युवा जागरूकता कार्यक्रम

युवाओं को दिया गया स्वस्थ एवं नशामुक्त जीवन का संदेश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने तथा युवाओं को नशे की प्रवृत्ति से दूर रखने के उद्देश्य से

'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत विजन' एवं नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत पीएमश्री स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, सूरजपुर में जिला स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों से लगभग 250 प्रतिभागियों ने विभिन्न विधाओं में उत्साहपूर्वक भाग लेकर नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया। युवाओं में सकारात्मक सोच, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लोकगीत, लोकनृत्य, नुक्कड़ नाटक, कविता पाठ, भाषण, चित्रकला तथा ऑनलाइन नारा लेखन सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से नशे के दुष्परिणामों तथा इससे दूर रहने के महत्व को प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त किया, जिसमें विद्यार्थियों की रचनात्मकता, जागरूकता एवं उत्साह विशेष रूप से देखने योग्य रहा। इन प्रतियोगिताओं में शंभु प्रसाद निषाद, रामचन्द्र सोनी तथा राम कुशल तिवारी निर्णायक मंडल के सदस्य रहे। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में योग को स्वस्थ एवं नशामुक्त जीवन का प्रभावी माध्यम बताते हुए विशेषज्ञों द्वारा परिचर्चा आयोजित की गई, जिसमें युवाओं को तनावमुक्त जीवन, आत्मसंयम तथा सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की मजबूत नींव हैं और समाज में जनजागरूकता के माध्यम से इस अभियान को जन-आंदोलन का स्वरूप दिया जा सकता है। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती लता बेक, जिला मिशन समन्वयक मनोज साहू, समाज कल्याण विभाग के उप संचालक आलोक भवाल, उप संचालक अजय सिंह, प्राचार्य मनोज झा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों द्वारा नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लेने के साथ हुआ।

कार्यालय संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव
शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25 गौरव उत्सव स्वर्णिम संकल्प

क्रमांक / 2876 / स्टोर / 2026 / | अम्बिकापुर दिनांक 25.07.2026

ई-प्रोक्यूरमेंट सिस्टम निविदा आमंत्रण सूचना

राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.) की ओर से वाहन स्टैण्ड संचालन के निविदा हेतु फर्मों/अभिकरणों से राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.) में वाहन स्टैण्ड संचालन हेतु ऑनलाईन निविदा निम्नानुसार आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी हेतु वेबसाईट https://cproc.cgstate.gov.in में देखा जा सकते हैं।

क्र.	निविदा का नाम	सी.जी.ई. प्रोक्यो. निविदा क्रमांक	ऑनलाईन जमा करने की प्रारंभिक तिथि एवं समय	ऑनलाईन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	भौतिक रूप से जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	निविदा खुलने की तिथि एवं समय
1	शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय, अम्बिकापुर में वाहन स्टैण्ड का संचालन	196141	01.08.2026 10:00 AM	10.08.2026 04:00 PM	10.08.2026 05:00 PM	11.08.2026 12:00 PM

स्थान :– कार्यालय संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक, राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय, अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

कार्यालय संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव
शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय
अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

जी–262702384 / 1

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
इंजीनियरिंग कार्य हेतु ई-निविदा सूचना

क्र.संख्या (1) ई-निविदा संख्या: सीपीएम - इंजी.-जीएसयु-बीएसपी-04-26-27, दिनांक: 21.07.2026.

कार्य: "दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल में (i) पेंड्रा रोड रेलवे स्टेशन पर फुट ओवर ब्रिज की व्यवस्था, (ii) उमरिया रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म 2/3 से प्लेटफॉर्म 4 तक स्वीकृत 12 मीटर चौड़े FOB (6 मीटर चौड़ाई वाले) का विस्तार और (iii) SDL रेलवे स्टेशन पर दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा के लिए रैंप की व्यवस्था।" **निविदा मूल्य:** ₹ 18,89,31,070.00. **अमानत राशि:** ₹ 37,78,600.00. **कार्य पूर्णता की अवधि:** 18 माह।

निविदा जमा करने की आरंभ तिथि: 06.08.2026 से। **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि: 20.08.2026 के 15.30** बजे तक।

उपरोक्त ई–निविदा सूचना की पूरी जानकारी वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा हेतु ई–टेन्डर के अलावा अन्य निविदा स्वीकार नही की जाएगी।

उप मुख्य अभियंता (गतिशक्ति)/
सीपीआर/10/पीएच/307 **बिलासपुर**

South East Central Railway @secrail

गुरु रविदास महाराज की 650 वीं जयंती पर भाजपा चलाएगी देशव्यापी समरसता संकल्प अभियान

0 आज से देशभर में होंगे विविध कार्यक्रम 0 पत्रकार वार्ता में एमसीबी जिला प्रभारी बाबूलाल ने साझा की अभियान की रूपरेखा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भाजपा संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज के 650 वें जयंती वर्ष पर आज बुधवार गुरु पूर्णिमा से 20 फरवरी 2027 माघ पूर्णिमा तक पूरे देश में %समरसता संकल्प अभियान% संचालित करेगी। अभियान के तहत राष्ट्रीय, प्रदेश, जिला, मंडल एवं ग्राम स्तर तक सामाजिक समरसता, सद्भाव, सामाजिक न्याय एवं जनजागरण से जुड़े विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस संबंध में आयोजित पत्रकार वार्ता में

एमसीबी जिले के भाजपा जिला प्रभारी एवं पूर्व जिलाध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल ने अभियान की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज का जीवन सामाजिक समानता, समरसता, मानवता और सेवा का अनुपम संदेश देता है। उन्होंने कहा कि गुरु रविदास महाराज का %बेगमपुरा का दर्शन ऐसे समाज की परिकल्पना करता है, जहां किसी प्रकार का भेदभाव, अन्याय और दुख न हो। उनके विचार आज भी समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत देशभर में चरणबद्ध तरीके से अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आज गुरु पूर्णिमा की संध्या पर देशभर के मंदिरों में समरसता दीप महोत्सव मनाया जाएगा। इस अवसर पर 51 हजार से अधिक स्थानों पर दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे, जबकि वाराणसी स्थित संत रविदास घाट पर 11 हजार दीपों से विशेष दीपोत्सव आयोजित होगा। 29 जुलाई से 10 सितंबर तक गुरु रविदास महाराज की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर वाराणसी की पवित्र मिट्टी से भरे कलश प्रदेश, जिला, मंडल एवं ग्राम स्तर तक पहुंचाए जाएंगे। वाराणसी से 131 पवित्र कलश विभिन्न प्रदेशों के लिए रवाना किए जाएंगे, जिनके माध्यम से देशभर में लगभग 21 हजार कलश स्थापित किए जाएंगे। 31 अगस्त तक भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता गुरु रविदास परंपरा से जुड़े संत-महात्माओं का सम्मान करेंगे तथा सामाजिक समरसता का संदेश जन-जन तक पहुंचाएंगे। 5 अक्टूबर से 5 नवंबर तक श्री गुरु रविदास महाराज समरसता यात्रा पंजाब के डेरा सचखंड बल्लां से प्रारंभ होकर विभिन्न राज्यो से होते हुए उनकी जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर तक पहुंचेगी।

26 नवंबर से 15 जनवरी 2027 तक देशभर के छात्रावासों में युवाओं एवं विद्यार्थियों के साथ %समरसता संवाद% कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि नई पीढ़ी गुरु रविदास महाराज के विचारों एवं आदर्शों से प्रेरणा प्राप्त कर सके। श्री अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में %सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास% का संकल्प संत गुरु रविदास महाराज के बताए मार्ग से प्रेरित है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह अभियान सामाजिक समरसता, सामाजिक न्याय, सद्भाव और राष्ट्रीय एकता को और अधिक सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पत्रकार वार्ता के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी, जिला महामंत्री शशिकांत गर्ग, जिला सयोजक देवधन बिंझीया, एल्डरमेन संतोष सोनी, हरीश राजवाड़े सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महिला कर्मचारियों ने संभाली बालको की 24x7 सुरक्षा की कमान

बालकोनगर छ.ग. फ्रंटलाइन। कभी सुरक्षा को केवल शारीरिक शक्ति से जोड़कर देखा जाता था और महिलाओं को सुरक्षा की आवश्यकता वाले वर्ग के रूप में माना जाता था। लेकिन समय के साथ यह सोच बदल रही है। आज महिलाएं केवल अपनी सुरक्षा तक सीमित नहीं हैं, बल्कि औद्योगिक सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में भी नेतृत्व की भूमिका निभा रही हैं। यही बदलाव बालको के सेंट्रल सिक्योरिटी ऑपरेशन सेंटर (सीएसओसी) में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, जिसे अब पूरी तरह महिलाओं द्वारा संचालित शी-एसओसी (सिक्योरिटी हार्मनी एंड एक्सीलेंस) के रूप में विकसित किया गया है। यह रूढ़िवादी धारणाओं से आगे बढ़कर एक ऐसी आधुनिक सुरक्षा संस्कृति को दर्शाती है, जिसमें शारीरिक शक्ति से अधिक योग्यता, सतर्कता, तकनीकी दक्षता और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता को महत्व दिया जाता है।

बालको का सीएसओसी कंपनी की सुरक्षा व्यवस्था का मुख्य नियंत्रण केंद्र है। यह केंद्र दिन-रात, पूरे सप्ताह लगातार संचालित रहता है। संयंत्र परिसर में लगे सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों की निगरानी, सुरक्षा अलर्ट का विश्लेषण, किसी भी आपात स्थिति में त्वरित समन्वय, सुरक्षा टीमों को आवश्यक दिशा-निर्देश देना और महत्वपूर्ण निर्णयों में सहयोग जैसी सभी जिम्मेदारियां अब महिलाओं की टीम निभा रही है। यह केवल एक प्रशासनिक बदलाव नहीं, बल्कि महिलाओं की क्षमता, नेतृत्व और पेशेवर दक्षता पर संगठन के विश्वास का प्रतीक है। औद्योगिक सुरक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। ऐसे वातावरण में धैर्य, बारीकियों पर ध्यान, तार्किक सोच और बेहतर संवाद कौशल जैसी विशेषताएं बेहद महत्वपूर्ण हो जाती हैं। महिलाओं की भागीदारी इन सभी पहलुओं को और मजबूत बनाती है तथा सुरक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी और संतुलित बनाती है। शी-एसओसी की प्रभारी वर्षा द्विवेदी बताती हैं कि बालको ने उन्हें सुरक्षा संचालन का नेतृत्व करने का अवसर और विश्वास दिया है। आधुनिक सुरक्षा प्रणालियों, नवीन तकनीकों और नियमित प्रशिक्षण के कारण उनका आत्मविश्वास लगातार बढ़ा है। उनके अनुसार, चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में काम करने से निर्णय लेने की क्षमता मजबूत हुई है और संगठन की महिला सशक्तिकरण की सोच ने उन्हें नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया है। उनका कहना है कि महिलाएं भी सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में पूरी जिम्मेदारी और आत्मविश्वास के साथ नेतृत्व कर सकती हैं। रेखा श्रीवास्तव का मानना है कि अब समय आ गया है कि सुरक्षा क्षेत्र में महिलाओं को लेकर बनी पुरानी धारणाओं को बदला जाए। उनके अनुसार, सुरक्षा केवल शारीरिक शक्ति का विषय नहीं है। इसमें सतर्कता, अनुशासन, ईमानदारी, प्रभावी संवाद और सही समय पर सही निर्णय लेने की क्षमता सबसे अधिक महत्वपूर्ण होती है।

एनएच-343: नई सड़क एक माह में ही धंसने, उखड़ने लगी

निर्माण कार्य में गुणवत्ता का ध्यान नहीं, भविष्य में और दुर्दशा बढ़ने की चिंता

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। झारखंड, बिहार सहित अन्य राज्यों को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-343 के निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। रामानुजगंज से बलरामपुर के बड़कीमहरी तक सड़क निर्माण कार्य तेजी से जारी है। लोगों को उम्मीद थी कि, नई सड़क बनने से वर्षों पुरानी परेशानी दूर होगी, लेकिन निर्माण के कुछ ही समय बाद कई स्थानों पर सड़क धंसने और उखड़ने की शिकायतें सामने आने लगी हैं। जिला मुख्यालय बलरामपुर में न्यू सर्किट हाउस से कलेक्ट्रेट कार्यालय तक कई जगहों पर नई डामर सड़क धंसती और उखड़ती दिखाई दे रही है। सड़क पर गड्ढे बनने से स्थानीय नागरिकों में नाराजगी है। लोगों का कहना है कि डामरीकरण हुए अभी एक माह भी पूरा नहीं हुआ और सड़क की स्थिति बिगड़ने लगी है, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों का कहना है कि जिम्मेदार अधिकारियों का इस मार्ग से प्रतिदिन आवागमन होता है, बावजूद इसके सड़क में दिखाई दे रही खामियों की ओर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। नागरिकों का आरोप है कि यदि समय रहते गुणवत्ता की जांच नहीं की गई तो भविष्य में सड़क की स्थिति और खराब हो सकती है। फिलहाल सड़क निर्माण कार्य अभी पूर्ण नहीं हुआ है, लेकिन शुरुआती दौर में ही सामने आई खामियों ने निर्माण एजेंसी और कार्य की गुणवत्ता को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। क्षेत्रवासियों ने संबंधित विभाग से सड़क की तकनीकी जांच कराकर दोषियों पर कार्रवाई करने तथा गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करने की मांग की है।

सड़क का बेस कमजोर, ऊपरी परत चमकदार

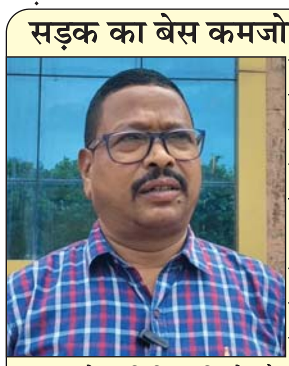

छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज के जिला अध्यक्ष बसंत कुजूर ने कहा कि, एनएच-343 निर्माणाधीन सड़क का शुरुआत में ही जगह-जगह धंसना बेहद गंभीर और चिंताजनक है। यह केवल तकनीकी खामी नहीं बल्कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर बड़ा सवाल खड़े करता है। जिस सड़क से प्रतिदिन जिले के कलेक्टर सहित तमाम वरिष्ठ अधिकारी गुजरते हैं, उसी सड़क की बदहाली पर जिम्मेदारों का मौन रहना कई संदेहों को जन्म देता है। उन्होंने कहा हम यह मानते हैं कि सड़क का निर्माण कार्य अभी पूर्ण नहीं हुआ है, लेकिन शुरुआती चरण में ही सड़क के धंसने से निर्माण में भारी अनियमितता और भ्रष्टाचार की बू आ रही है। यदि सड़क के बेस में ही गड़बड़ी है, तो ऊपर की परत कितनी भी चमकदार क्यों न हो, वह ज्यादा दिनों तक टिक नहीं सकती। निर्माण कार्य की निष्पक्ष तकनीकी जांच कराई जाए।

जिम्मेदारों ने शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया

जनपद सदस्य व अध्यक्ष ब्लॉक अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी बलरामपुर समीर सिंह देव ने कहा कि अति के बाद क्षति यह कहावत अब एनएच-343 निर्माण कार्य पर सटीक बैठती नजर आ रही है। इस निर्माण कार्य को लेकर शुरू से ही लोगों ने एलाइनमेंट में बदलाव, मानकों की अनदेखी और गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाए थे, आज उसी का परिणाम सामने आने लगा है। सड़क जगह-जगह धंसने और खराब होने की घटनाएं इस बात का संकेत है कि निर्माण में कहीं न कहीं भारी लापरवाही हुई है। जिम्मेदारों ने जनशिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया। ऐसे में करोड़ों की लागत से बन रही सड़क की गुणवत्ता सवालों के घेरे में है। यह केवल सड़क की क्षति नहीं, बल्कि जनता के विश्वास और सरकारी धन की भी क्षति है। विकास के नाम पर लापरवाही और भ्रष्टाचार को स्वीकार नहीं किया जा सकता। नाली घरों से ऊंचा बन रहा है, आने वाले समय में जो स्थिति आज राजपुर शहर की है वैसा बलरामपुर में भी होने लगेगा। इसकी निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं की गई, तो यह जनता के साथ अन्याय होगा, और आने वाले समय में आंदोलन करने वे बाध्य होंगे।

धृतराष्ट्र बने अधिकारी घटिया निर्माण को दे रहे प्रश्रय

मण्डल अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी रामचन्द्रपुर राजेन्द्र श्रीवास ने तीखा हमला करते हुए इसे सीधे-सीधे जनता के पैसों की लूट और शासन-प्रशासन की नाक के नीचे चल रहा खुला भ्रष्टाचार बताया। उन्होंने कहा, बेहद शर्मनाक है कि जिस सड़क से जिले के तमाम बड़े अधिकारी रोज गुजरते हैं, वह सड़क बनने के एक महीने के अंदर धंसने लगी है। अधिकारी धृतराष्ट्र बने हैं, या फिर घटिया निर्माण को जान-बूझकर संरक्षण दिया जा रहा है। करोड़ों रुपये की लागत से बन रहे राष्ट्रीय राजमार्ग-343 को पहली ही बारिश और शुरुआती आवागमन ने ही खोखला साबित कर दिया है। प्रशासन की यह खामोशी इशारा करती है कि दाल में कुछ काला नहीं बल्कि पूरी दाल ही काली है। हम इस तरह की लीपापोती को कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे। अगर विभाग ने तुरंत इस पूरे निर्माण कार्य की उच्च स्तरीय तकनीकी जांच नहीं कराई और दोषी इंजीनियरों व ठेकेदार पर सख्त कार्रवाई नहीं की तो हम जनता को साथ लेकर सड़कों पर उतरेंगे। शासन-प्रशासन अपनी गहरी नींद से जागे, नहीं तो कांग्रेस पार्टी सड़क से लेकर सदन तक उग्र आंदोलन के लिए तैयार है।

जनता को टिकाऊ और गुणवत्तापूर्ण विकास चाहिए

वरिष्ठ पत्रकार संजय गुप्ता ने कहा कि लंबे इंतज़ार के बाद बलरामपुर जिले में सड़क निर्माण का कार्य शुरू हुआ, लेकिन शुरुआत में ही गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। जिला मुख्यालय में बनी नई सड़क को अभी एक महीना भी नहीं हुआ और जगह-जगह छोटे-छोटे गड्ढे दिखाई देने लगे हैं। यही गड्ढे आगे चलकर बड़ी समस्या बनेंगे। सिर्फ सड़क ही नहीं, नालियों के निर्माण में भी मानकों की अनदेखी के आरोप लग रहे हैं। कांक्रीट कार्य में वाइब्रेटर मशीन का पर्याप्त उपयोग नहीं होने से निर्माण की मजबूती पर सवाल खड़े हो रहे हैं। सरकारी धन से बनने वाले विकास कार्यों में यदि शुरुआत से ही गुणवत्ता से समझौता हो रहा है, तो यह केवल लापरवाही नहीं बल्कि भ्रष्टाचार की आशंका को भी मजबूत करता है। लापरवाह और जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। क्योंकि जनता को सिर्फ नई सड़क नहीं, टिकाऊ और गुणवत्तापूर्ण विकास चाहिए।

स्कूल के बाहर से स्वच्छक की बाइक चोरी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के चोपड़ापारा स्थित माउंट लिट्रा स्कूल के बाहर खड़ी एक बाइक अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत में सुभाषनगर बलरामपारा, कमल कॉलोनी निवासी राजेश मोगरे बताया है कि वह नगर निगम अंबिकापुर में सफाईकर्मी के पद पर कार्यरत है। 24 जुलाई को दोपहर करीब 3.15 बजे किसी काम से चोपड़ापारा स्थित माउंट लिट्रा स्कूल गया था और अपनी मोटरसाइकिल को स्कूल के मुख्य गेट के सामने खड़ी करके अंदर चले गया। करीब 4 बजे जब स्कूल से बाहर निकला तो बाइक वहां नहीं थी। आसपास काफी तलाश करने के बाद भी मोटरसाइकिल का पता नहीं चला। अपने स्तर पर खोजबीन के बाद भी सफलता नहीं मिली। शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

बैटरी, यूपीएस सहित 65 हजार का सामान चोरी

छ.ग.फ्रंटलाइन रामानुजनगर। थाना क्षेत्र के साउथ ईस्टर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड कार्यालय, खान प्रबंधक आमगांव ओसीपी विश्रामपुर, आमगांव से चोरों ने बैटरी, यूपीएस सहित करीब 65 हजार रुपये का सामान पार कर दिया। इसकी जानकारी रामानुजनगर थाना पुलिस को सुरक्षा प्रभारी मंगलेशवर प्रसाद पिता स्व. रविचंद, निवासी ग्राम गोपीपुर ने दी है। बताया गया है कि, चोरी की वारदात को 26 जुलाई की रात करीब 11 बजे से 27 जुलाई की सुबह 05 बजे के बीच आमगांव ओपन कास्ट परियोजना के वे ब्रिज क्रमांक 04 में अंजाम दिया गया। मामले में पुलिस ने बीएनएस की धारा 305(ए), 331(4) का अपराध दर्ज कर लिया है।

स्टॉप डायरिया पखवाड़ा, गांव-गांव पहुंच रही स्वास्थ्य विभाग की टीम

जिले भर में जनजागरूकता एवं स्वास्थ्य सेवा गतिविधियां की जा रही आयोजित

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार जिले में स्टॉप डायरिया पखवाड़ा 01 जुलाई से 31 अगस्त के अंतर्गत विभिन्न जनजागरूकता एवं स्वास्थ्य सेवा गतिविधियों का प्रभावी संचालन किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य पाँच वर्ष तक के बच्चों में डायरिया से होने वाली बीमारी एवं मृत्यु दर में कमी लाना, समय पर उपचार सुनिश्चित करना तथा समुदाय में स्वच्छता एवं सुरक्षित पेयजल के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

अभियान के दौरान जिले के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, उप स्वास्थ्य केन्द्रों एवं ग्राम स्तर पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, चिकित्सकों, एएनएम, एमपीडब्ल्यू, आशा कार्यकर्ताओं एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर संपर्क कर आमजन, विशेषकर 5 वर्ष तक के बच्चों के अभिभावकों को डायरिया की रोकथाम एवं उपचार के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की। स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा लोगों को बताया गया कि डायरिया होने पर शरीर में पानी एवं लवणों की कमी तेजी से होने लगती है, जिससे बच्चों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। ऐसी स्थिति में तुरंत ओआरएस घोल पिलाना, चिकित्सकीय परामर्श के अनुसार जिंक की गोली का सेवन कराना तथा आवश्यकता पड़ने पर निकटतम स्वास्थ्य संस्थान में तत्काल उपचार कराना अत्यंत आवश्यक है। अभियान के अंतर्गत पात्र परिवारों को निःशुल्क ओआरएस पैकेट एवं जिंक की गोलियों का वितरण किया गया। साथ ही ओआरएस घोल तैयार करने की सही विधि का व्यवहारिक प्रदर्शन भी किया गया, जिससे प्रत्येक परिवार आवश्यकता पड़ने पर इसका सही उपयोग कर सके।

जन जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से लोगों को साबुन एवं स्वच्छ पानी से नियमित रूप से हाथ धोने, भोजन को ढक कर रखने, ताजा एवं स्वच्छ भोजन का सेवन करने, खुले में शौच न करने, शौचालय का नियमित उपयोग करने, पेयजल को उबालकर अथवा शुद्ध करके पीने तथा घर एवं आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अतिरिक्त बच्चों को केवल स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने तथा डायरिया के लक्षण दिखाई देने पर घरेलू उपचार पर निर्भर न रहकर तत्काल स्वास्थ्य संस्थान से संपर्क करने की सलाह दी गई। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा विद्यालयों, आंगनबाड़ी केन्द्रों एवं ग्राम सभाओं के माध्यम से भी जनसामान्य को डायरिया से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई तथा स्वच्छता को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संदेश दिया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पीएस मार्को ने बताया कि स्टॉप डायरिया पखवाड़ा का उद्देश्य केवल उपचार उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि प्रत्येक परिवार को डायरिया की रोकथाम एवं समय पर उपचार के प्रति जागरूक बनाना है। जिला नोडल अधिकारी ने बताया कि अभियान के तहत प्रत्येक परिवार तक सही स्वास्थ्य संदेश पहुंचाकर डायरिया से होने वाली रोकथाम योग्य मृत्यु को शून्य के निकट लाने का प्रयास किया जा रहा है। जिला कार्यक्रम प्रबंधक ने बताया कि स्टॉप डायरिया पखवाड़ा केवल एक स्वास्थ्य अभियान नहीं, बल्कि समुदाय आधारित जनआंदोलन है, जिसका उद्देश्य प्रत्येक परिवार तक डायरिया की रोकथाम एवं समय पर उपचार का संदेश पहुंचाना है।

'संत रविदास के विचारों के माध्यम से घर-घर पहुंचेगा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का संदेश'

भाजपा के प्रदेश महामंत्री ने 650वीं जयंती पर देशव्यापी अभियान पर डाला प्रकाश

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। संत शिरोमणि गुरु रविदास की 650वीं जन्म जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी देशव्यापी 'समरसता संकल्प अभियान' शुरू कर रही है। इसका उद्देश्य संत रविदास के विचारों के माध्यम से समाज में व्याप्त भेदभाव को दूर कर सामाजिक एकता, समानता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का संदेश घर-घर पहुंचाना है। यह बात छत्तीसगढ़ भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं अभियान के प्रदेश संयोजक अखिलेश सोनी ने मंगलवार को संकल्प भवन में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कही। उन्होंने कहा कि भाजपा एक वैचारिक आंदोलन है जो समाज को जोड़ने का काम करती है। एक तरफ भारत विरोधी ताकतें जाति और भेदभाव के नाम पर राजनीति कर रही हैं, वहीं भाजपा की प्रतिबद्धता सामाजिक न्याय, समानता और समावेशिता है। उन्होंने कहा 'संत रविदास ने सरल शब्दों में बड़ी बातें कहीं। मीरा बाई उनकी शिष्या रहीं, वे रामानंद के शिष्य थे। कबीर, रविदास, गुरु नानक हमारे इतिहास के प्रहरी हैं। आज हमें उनसे सीखने की जरूरत है'।

प्रदेश महामंत्री ने आगे कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाबा साहेब अंबेडकर से जुड़े स्थानों को तीर्थ का दर्जा दिया। पिछले 11-12 वर्षों में सामाजिक न्याय का उदाहरण है कि, आज देश के सर्वोच्च पद पर आदिवासी बेटी विराजमान हैं। छत्तीसगढ़ और ओडिशा में भाजपा ने दलित और आदिवासी समाज के मुख्यमंत्री बनाए हैं। प्रेस वार्ता में भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया, प्रदेश प्रवक्ता संतोष दास, जिला महामंत्री विनोद हर्ष, अरुणा सिंह, विद्यानंद मिश्रा, रूपेश दुबे, जन्मेजय मिश्रा और मयंक जायसवाल उपस्थित थे।

पूरे प्रदेश में होगी कलश यात्रा और संपर्क

अखिलेश सोनी ने बताया कि, अभियान के तहत पूरे देश में कलश यात्रा निकाली जाएगी और छात्रावासों में संपर्क किया जाएगा। छत्तीसगढ़ की टीम प्रदेश के सभी 36 संगठन जिलों में जाएगी और समाज में एकता व संवेदनशीलता का संकल्प दिलाएगी। यह अभियान अगले वर्ष माघ पूर्णिमा तक सक्रिय रहेगा।

राष्ट्रमंडल खेल में एएसआई ज्ञानेश्वरी यादव को मिला रजत पदक

एसएसपी ने वीडियो कॉल करके बढ़ाया हौसला, दी बधाई

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ और देश का नाम अंतरराष्ट्रीय पटल पर रोशन करने वाली छत्तीसगढ़ पुलिस की सहायक उप-निरीक्षक ज्ञानेश्वरी यादव ने इतिहास रचा है। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत और छत्तीसगढ़ का नाम वैश्विक पटल पर रोशन करने वाली अंतरराष्ट्रीय भारोत्तोलक और छत्तीसगढ़ पुलिस की सहायक उप-निरीक्षक ज्ञानेश्वरी यादव ने महिलाओं के 53 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया है। ज्ञानेश्वरी यादव ने इस स्पर्धा के स्नैच में 88 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 111 किलोग्राम वजन उठाया। कुल 199 किलोग्राम वजन के साथ उन्होंने पोडियम पर दूसरा स्थान प्राप्त किया।

इनकी इस ऐतिहासिक एवं गौरवशाली उपलब्धि पर डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल ने ज्ञानेश्वरी यादव से वीडियो कॉल के माध्यम से सीधा संपर्क किया और सरगुजा पुलिस और पूरे छत्तीसगढ़ पुलिस परिवार की ओर से होनहार खिलाड़ी को बड़ी सफलता पर बधाई, शुभकामनाएं और आशीर्वाद देकर हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा छत्तीसगढ़ पुलिस में सहायक उप-निरीक्षक के रूप में देश और समाज की सेवा करने के साथ खेल के मैदान पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐसा उत्कृष्ट प्रदर्शन करना बेहद गर्व की बात है, उन्होंने ज्ञानेश्वरी की कड़ी मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि उनकी यह सफलता पूरे पुलिस बल सहित छत्तीसगढ़ के तमाम युवाओं और खेल प्रेमियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। एसएसपी ने इस ऐतिहासिक जीत को महिला एएसआई के कठिन परिश्रम, अनुशासन और अटूट दृढ़ संकल्प का परिणाम बताया, और आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

स्टाफ नर्स के पद पर पदोन्नति हेतु अंतिम वरिष्ठता एवं चयन सूची जारी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कार्यालय संभागीय संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं, सरगुजा संभाग द्वारा विभागीय पदोन्नति समिति की 24 जुलाई को हुई बैठक में लिए गए निर्णय के आधार पर 1 अप्रैल 2026 की स्थिति दर्शाने वाली जी.एन.एम. प्रशिक्षण, बी.एस.सी. नर्सिंग, पोस्ट बी.एस.सी. नर्सिंग या सिस्टर ट्यूटर पाठ्यक्रम उत्तीर्ण ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक महिला और बहुउद्देशीय कार्यकर्ता महिला से स्टाफ परिचारिका स्टाफ नर्स के पद पर पदोन्नति हेतु संशोधित अंतिम वरिष्ठता सूची, अंतिम चयन सूची और अंतिम प्रतीक्षा सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। संबंधित कर्मचारी इस सूची का अवलोकन संभागीय संयुक्त संचालक कार्यालय के निर्धारित सूचना पटल पर कर सकते हैं। इसके अलावा सरगुजा जिले की आधिकारिक वेबसाइट पर भी इसे अपलोड कर दिया गया है। संभाग के समस्त जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को भी निर्देशित किया गया है कि वे उक्त सूची को अपने कार्यालय के सूचना पटल पर अनिवार्य रूप से चस्पा करें।

स्वास्थ्य शिक्षक पदों पर पदोन्नति हेतु अंतिम चयन व प्रतीक्षा सूची जारी

कार्यालय संभागीय संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवायें, सरगुजा संभाग द्वारा स्वास्थ्य शिक्षक और सेनेटोरियन-कम-हेल्थ एजुकेटर के पद पर पदोन्नति के लिए अंतिम चयन एवं अंतिम प्रतीक्षा सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। यह सूची 1 अप्रैल 2026 की स्थिति के आधार पर एम.पी.एच.डब्ल्यू. पुरुष, वरिष्ठ सेनेटोरियन और फिजियोथेरेपी टेक्नीशियन (डाइंग केडर) के उन कर्मचारियों के लिए जारी की गई है, जिन्होंने संबंधित प्रशिक्षण, 5 वर्ष का सेवा अनुभव और स्नातक की उपाधि पूर्ण कर ली है। 24 जुलाई को आयोजित विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक में सर्वसम्मति से यह अंतिम सूची जारी करने का निर्णय लिया गया था। सूची का अवलोकन सरगुजा जिले की आधिकारिक वेबसाइट पर कर सकते हैं। संभाग के समस्त जिलों के सीएमएचओ को भी निर्देशित किया गया है कि वे उक्त सूची को अपने कार्यालय के सूचना पटल पर अनिवार्य रूप से चस्पा करें।

सेवा किटी की मासिक बैठक में खुले सेवा के नए द्वार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सेवा किटी की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाज सेवा को और विस्तार देने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में मुख्य रूप से मूकबधिर शाला के बच्चों के लिए पठन सामग्री वितरण, शिक्षा के अधिकार को मजबूत करने के लिए बच्चों को किताबें और पढ़ने की सामग्री देने, बच्चों और महिलाओं के हुनर को मंच देने के लिए अभिरुचि केंद्र की शुरूआत करने, स्वाधीनता दिवस पर निबंध प्रतियोगिता, विगत वर्ष की तरह इस वर्ष भी 15 अगस्त के उपलक्ष्य में निबंध प्रतियोगिता आयोजित करने का निर्णय लिया गया, ताकि बच्चों में देशभक्ति और लेखन को बढ़ावा मिले। इसके अलावा नियमित संवाद के लिए हर 2 माह में सभी सदस्यों की बैठक करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में संयोजिका वन्दना दत्ता के मार्गदर्शन में वरिष्ठ सदस्य सन्तोष पांडे, मधु चैदह, लिलि बसु, गायत्री अग्रवाल, मिलन शर्मा, आतिशी भट्टाचार्य, सुधा तिवारी, नमिता चावला, सत्या दुबे' उपस्थित रहीं। स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम की पूरी तैयारी की जिम्मेदारी दीपमाला सिंह, सुनीता दास, अंजना परिहार, हिना परवीन, स्मिता तिवारी, बोनी डे को सौंपी गई। सेवा किटी का उद्देश्य शिक्षा, संस्कार और सेवा के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाना है। सेवा किटी लगातार साबित कर रही है कि छोटी पहल से बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।

स्कूल के बाहर से स्वच्छक की बाइक चोरी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के चोपड़ापारा स्थित माउंट लिट्रा स्कूल के बाहर खड़ी एक बाइक अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में सुभाषनगर बलरामपारा, कमल कॉलोनी निवासी राजेश मोगरे बताया है कि वह नगर निगम अंबिकापुर में सफाईकर्मी के पद पर कार्यरत है। 24 जुलाई को दोपहर करीब 3.15 बजे किसी काम से चोपड़ापारा स्थित माउंट लिट्रा स्कूल गया था और अपनी मोटरसाइकिल को स्कूल के मुख्य गेट के सामने खड़ी करके अंदर चले गया। करीब 4 बजे जब स्कूल से बाहर निकला तो बाइक वहां नहीं थी। आसपास काफी तलाश करने के बाद भी मोटरसाइकिल का पता नहीं चला। अपने स्तर पर खोजबीन के बाद भी सफलता नहीं मिली। शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर